संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
सोमवार
8 सितंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 75
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

एनआईटीटीआर चंडीगढ़ ने 58वां वार्षिक समारोह मनाया

पेज-8

जीएसटी सुधार के लिए प्रधानमंत्री का अभिनंदन

नयी दिल्ली- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दो दिवसीय कार्यशाला में रविवार को ऐतिहासिक जीएसटी सुधार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन और आभार व्यक्त किया गया जहां वह आम कार्यकर्ता की तरह कार्यशाला की आखिरी पंक्ति में सहज भाव से बैठे दिखाई दिए।

भाजपा की दो दिवसीय कार्यशाला रविवार सुबह 11 बजे से संसद के जीएमसी बालयोगी सभागार में शुरू हुई। इस कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद शामिल हुए । इस कार्यशाला में उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारी और विकसित भारत समेत कई मुद्दों पर चर्चा होनी है।

इस कार्यशाला में प्रधानमंत्री द्वारा 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से जीएसटी सुधारों की घोषणा को साकार करने पर भाजपा सांसदों ने प्रस्ताव पारित करके उनका अभिनंदन और आभार व्यक्त किया गया।

भाजपा की दो दिवसीय कार्यशाला के पहले दिन सांसदों के लिए महत्वपूर्ण चार सत्र होंगे। पहला सत्र आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी भारत, ईज ऑफ डूइंग और युवा शक्ति एवं रोजगार पर होगा। दूसरा सत्र सांसदों की ओर से सोशल मीडिया के प्रभावी प्रयोग पर होगा। तीसरा सत्र सांसदों की स्थायी समिति के समूहों से संबंधित है, जिसमें अलग-अलग मंत्रालयों की संसदीय समितियों से जुड़ा है। इसमें संसदीय समिति की कार्यवाही का महत्व, संसद सत्र की तैयारी, संसदीय नियमावली का इस्तेमाल, मंत्रालय रिपोर्ट का अध्ययन और सांसद के रूप में व्यवहार और सावधानी आदि पर चर्चा होगी। चौथे और अंतिम सत्र में सागरीय क्षेत्र, लेफ्ट विंग क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र, शहरी क्षेत्र और पहाड़ी और उत्तर पूर्व क्षेत्र के बारे में चर्चा होगी। भाजपा कार्यशाला के दूसरे दिन सोमवार को नौ सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए भाजपा सांसदों को चुनाव प्रक्रिया, मतदान करने का तरीका और सावधानियों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

PM मोदी 9 सितंबर को पंजाब दौरे पर, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को पंजाब का दौरा करेंगे और राज्य के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेंगे। प्रधानमंत्री का आधिकारिक कार्यक्रम तय कर लिया गया है और रविवार सुबह पंजाब सरकार के साथ साझा किया गया। पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने भी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की पुष्टि की है।

जाखड़ ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब की बाढ़ स्थिति को लेकर गहरी चिंता में हैं और लगातार हालात पर नजर रखे हुए हैं। वह 9 सितंबर को पंजाब का दौरा करेंगे ताकि स्थानीय हालात को व्यक्तिगत रूप से समझ सकें और पंजाब की जनता को अधिकतम सहायता मिल सके।"

राज्य भाजपा अध्यक्ष ने बताया कि इससे पहले केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान को हालात का आकलन करने के लिए भेजा गया था। उन्होंने कहा, "केंद्र सरकार की दो टीमों ने पंजाब में बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए दौरा किया था। वे अपनी रिपोर्ट जल्द ही केंद्र सरकार को सौंपेंगी। भारत सरकार पंजाब की जनता के साथ मजबूती से खड़ी है।" प्रधानमंत्री 9 सितंबर को कांगड़ा से पंजाब आएंगे। वह बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे और पठानकोट में उतरकर पंजाब सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक करने की संभावना है।

भारी बारिश के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग खुलने में बाधा, वैष्णो देवी यात्रा स्थगित

जम्मू- भूस्खलन प्रभावित जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी बारिश के कारण यातायात बहाल करने के भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रयासों में फिर बाधा उत्पन्न हुई। यह रविवार को लगातार छठे दिन भी बंद रहा।

अधिकारियों ने बताया कि त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा भी लगातार 13वें दिन स्थगित रही, जबकि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने कठुआ जिले में बसोहली-बानी मार्ग पर क्षतिग्रस्त हिस्से के कारण उपमार्ग के माध्यम से यातायात बहाल कर दिया। यातायात विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अभी भी वाहनों की आवाजाही के लिए बंद है। मरम्मत का काम चल रहा है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि मरम्मत का काम पूरा होने तक इस मुख्य मार्ग से यात्रा न करें।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के रामबन सेक्टर के परियोजना प्रबंधक शुभम ने बताया कि भारी बारिश के कारण आज सुबह उधमपुर जिले के थार्ड में पहाड़ी के नीचे दबे 250 मीटर लंबे मार्ग को साफ करने के प्रयासों में बाधा उत्पन्न हुई। राजमार्ग की जल्द बहाली सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत विशाल चट्टानों को ध्वस्त करने के लिए विस्फोटकों का इस्तेमाल किया गया। बारिश के बावजूद हमारे कर्मी और मशीनें काम कर रही हैं, लेकिन काम धीमी गति से चल रहा है। यह राजमार्ग कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली एकमात्र बारहमासी सड़क है। इस पर यातायात दो सितंबर को बंद कर दिया गया था।

इसे लगभग एक सप्ताह से फंसे वाहनों को निकालने के लिए आंशिक यातायात बहाल करने के 2 दिन बाद बंद किया गया था। थार्ड में चार लेन वाले राजमार्ग खंड को छोड़कर राजमार्ग के बाकी हिस्से को दो-तरफा यातायात के लिए खोल दिया गया है। राजमार्ग के लगभग एक पखवाड़े तक बंद रहने से दोनों ओर सैकड़ों वाहन फंस गए, जिनमें से अधिकांश ट्रक बागवानी उत्पाद और आवश्यक वस्तुएं ले जा रहे थे।

मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान जताया है।

मोटी-मोटी बातें

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ का साथी पांच पिस्तौलों सहित काबू

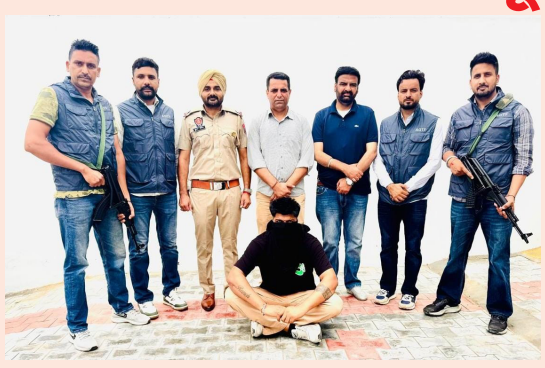

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रहे अभियान के दौरान संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता दर्ज करते हुए पंजाब पुलिस की गैंगस्टर विरोधी टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने विदेश आधारित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के एक साथी को पांच .32 बोर पिस्तौलों सहित 10 जिंदा कारतूसों सहित गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने रविवार को यहां दी।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान बलजिंदर सिंह उर्फ़ रैंच निवासी माही नंगल, जिला बठिंडा के रूप में हुई है। आरोपी की आपराधिक पृष्टभूमि है और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति सरहदी राज्य में शांति और सद्भावना भंग करने के लिए गोल्डी बराड़ गैंग को अवैध हथियारों की सप्लाई करता था। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये हथियार गोल्डी बराड़ के निर्देशों पर उसके मुख्य सहयोगी मलकियत सिंह उर्फ़ किट्टा भानी (जो इस समय कपूरथला जेल में बंद है) के ज़रिये खरीदे गए थे।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में अगले-पिछले संबंध स्थापित करने और पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए और जांच जारी है।

ऑपरेशन के विवरण साझा करते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) एजीटीएफ पंजाब प्रमोद बान ने बताया कि डीएसपी एजीटीएफ बठिंडा रेंज जसपाल सिंह के नेतृत्व वाली पुलिस टीमों को गोल्डी बराड़ गैंग द्वारा राज्य में सनसनीखेज अपराध की साज़िश रचने की पुख़्ता जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि तेजी से कार्रवाई करते हुए एजीटीएफ पंजाब की टीमों ने संदिग्ध बलजिंदर रैंच को मलोट, श्री मुक्तसर साहिब में मलोट-मुक्तसर सड़क, न्यू बाईपास स्थित फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे से सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया।

इस संबंध में थाना सदर मलोट में आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 25(7)(8) के तहत एफआईआर नंबर 84, दिनांक 07.09.2025 दर्ज की गई है।

कांग्रेस को अभी लोकतंत्र के बारे बहुत कुछ सीखना हैं-पूनियां

जोधपुर - राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा हरियाणा प्रभारी डा सतीश पूनियां ने कांग्रेस को लोकतंत्र के बारे में और सीखने एवं नैतिक प्रशिक्षण लेने की जरुरत बताते हुए कहा है कि उसके नेता सत्ता से हटते ही मानसिक रूप से इतने विचलित हो जाते हैं कि विपक्ष की भूमिका के बारे में भी उन्हें कोई संज्ञान नहीं है।

डा पूनियां ने अपने जोधपुर दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भले ही सबसे पुरानी पार्टियों में से एक हो, लेकिन उसे अभी भी देश के लोकतंत्र के बारे में बहुत कुछ सीखना है। इसके नेता सत्ता से हटते ही मानसिक रूप से इतने विचलित होते हैं कि विपक्ष की भूमिका के बारे में भी उन्हें कोई संज्ञान नहीं है। इसके लिए कांग्रेस नेतृत्व दोषी है।

उन्होंने कहा कि वे सत्ता के बिना नहीं रह सकते है और एक रचनात्मक विपक्ष किसी भी देश के लोकतंत्र की ताकत होता हैं लेकिन आज की राहुल गांधी कांग्रेस ने उस युग धर्म को भुला दिया हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को नैतिक प्रशिक्षण की जरुरत हैं कि विपक्ष में और देश के प्रति मुद्दों को सकारात्मक रुप से कैसे रखे और सदन की गरिमा को कैसे बनाये रखे।

मोदी पर्यावरण संरक्षण को बना रहे है जन आंदोलन-पूनावाला

नयी दिल्ली - ऐसी दुनिया में जहां एक तरफ जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव स्पष्ट हैं और दूसरी तरफ जलवायु परिवर्तन से इनकार करने वाली गैर-जिम्मेदाराना और अपरिपक्व सोच मौजूद है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को ऐसी आशा की किरण बनाया है, जो पर्यावरण संरक्षण को विकसित भारत 2047 के रोडमैप में शामिल कर रहा है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने अपने एक लेख में कहा कि श्री मोदी का पर्यावरण के प्रति जुनून गुजरात में उनके मुख्यमंत्री काल से शुरू हुआ जहां उन्होंने 2009 में भारत का पहला जलवायु परिवर्तन विभाग स्थापित किया। यह उस समय एक अग्रणी कदम था जब वैश्विक जलवायु चर्चा प्रारंभिक थी और इनकार आम था। उनकी ज्योतिग्राम योजना ने गांवों में 24 घंटे एवं सात दिनों बिजली पहुंचाई, जिससे डीजल का उपयोग कम हुआ और नवीकरणीय ऊर्जा की नींव रखी गई। चारणका सोलर पार्क ने गुजरात को सौर ऊर्जा का पावरहाउस बनाया।

वोट चोरी में भाजपा की मदद क्यों कर रहा आयोग : खरगे

नयी दिल्ली- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया है कि वह कई सालों से वोट चोरी की साजिश में शामिल होकर भाजपा की मदद कर रहा है और उसे स्पष्ट करना चाहिए कि क्या आयोग इस काम के लिए भाजपा का बैक ऑफिस बन गया है।

श्री खरगे ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए रविवार को कहा कि क्या चुनाव आयोग वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक-ऑफिस बन गया है।

उन्होंने इस संदर्भ में कुछ पुराने उदाहरण देते हुये कहा कि मई 2023 के कर्नाटक चुनाव से पहले कांग्रेस ने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया और बताया था कि इस सीट पर फॉर्म 7 के आवेदनों में साजिश कर बेहद सलीके से हज़ारों मतदाताओं के अधिकार छीन लिये गये। फिर एक मामला दर्ज किया गया और इसकी जाँच में 5,994 जाली आवेदनों का पता चला। यह वोट चोरी के बड़े प्रयास का एक स्पष्ट प्रमाण है। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी जाँच का आदेश दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने इस प्रक्रिया में चुनाव आयोग को घेरते हुए कहा 'लेकिन यहाँ पेच यह है जहाँ चुनाव आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों का एक हिस्सा साझा किया था वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी को छुपा दिया है - और वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है।

अभी थमा नहीं बारिश का दौर, IMD ने जारी किया पूर्वानुमान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। बारिश का दौर अभी थमा नहीं है। 13 सितंबर तक देश के अलग-अलग राज्यों में बारिश का मौसम बना रहेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने आज के लिए चेतावनी जारी की है, जिसमें कई क्षेत्रों में भारी वर्षा, गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज सतही हवाओं की संभावना जताई गई है।

उत्तरी गुजरात और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम राजस्थान पर दबाव के प्रभाव के कारण 8 सितंबर तक राजस्थान और गुजरात राज्य में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। साथ ही राजस्थान और दक्षिण गुजरात में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

विभाग के अनुसार राजस्थान के मध्य भागों पर बना सुस्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र लगभग पश्चिम की ओर बढ़ गया है जो आगे दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ा और आज 0830 बजे भारतीय मानक समय पर उत्तरी गुजरात और उससे सटे दक्षक्षि-पश्चिम राजस्थान पर केंद्रित हो गया। इसके अगले दो दिनों के दौरान पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ने की प्रबल संभावना है।

आज दक्षिण गुजरात क्षेत्र में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) के साथ अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा और 8 सितंबर 2025 को गुजरात राज्य में भारी वर्षा और अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

8 सितंबर तक राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ आज अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। आज जम्मू संभाग, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, मध्य महाराष्ट्र में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इसके अलावा 7, 8, 12 और 13 तारीख को उत्तराखंड में, 12 और 13 तारीख को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, 11-13 तारीख के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 7, 8, 10 और 13 सितंबर को ओडिशा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा और 11-12 सितंबर के दौरान भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है। 7 तारीख को पश्चिमी मध्य प्रदेश में, 7, 8 और 13 तारीख को पूर्वी मध्य प्रदेश में, 11 और 12 तारीख को विदर्भ में, 7 और 10-13 तारीख के दौरान छत्तीसगढ़ में, 7-13 तारीख के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, 9-11 सितंबर के दौरान बिहार में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।

अस्पताल में उपचाराधीन मुख्य मंत्री द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए भोजन व चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के आदेश दिए

- मुख्यमंत्री ने राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा हेतु मुख्य सचिव व डी.जी.पी. के साथ की बैठक
- मुख्यमंत्री की सेहत में तीव्र सुधार, एक-दो दिनों में छुट्टी मिलने की उम्मीद: मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान अस्पताल में उपचाराधीन रहते हुए राज्यवासियों की भलाई के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए प्रदेश में चलाए जा रहे बड़े पैमाने पर राहत व बचाव कार्यों की निकटता से निगरानी कर रहे हैं।

फोर्टिस अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ कर रहे मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव श्री के.ए.पी. सिन्हा, डी.जी.पी. श्री गौरव यादव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बाढ़ से संबंधित समीक्षा बैठक की।

बाढ़ के कारण उत्पन्न गंभीर हालात पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित एक भी नागरिक राहत व बुनियादी सुविधाओं से वंचित न रहे। विशेष रूप से जो लोग बाढ़ के पानी के कारण मुख्य धारा से कटे हुए हैं, उनके लिए भोजन, चिकित्सकीय सुविधा एवं अन्य आवश्यक सहायता सुनिश्चित की जाए।

बैठक के उपरांत मुख्य सचिव श्री के.ए.पी. सिन्हा ने बताया कि मुख्यमंत्री की सेहत में सुधार हो रहा है और एक-दो दिनों में वे हमारे बीच लौटने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री का पूरा ध्यान हाल ही में आए बाढ़ व भारी बारिश से प्रभावित हजारों परिवारों पर ही केंद्रित है। उन्होंने आगे बताया कि पंजाब सरकार बाढ़ पीड़ितों को हर संभव सहायता देने और उनके टूटे हुए घर पुनः बनाने के लिए एकजुट व दृढ़ है।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री को बताया गया कि एकत्रित आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के बाढ़ प्रभावित 23 जिलों के 2050 गांवों में कुल 3,87,898 व्यक्ति बेघर हो चुके हैं, जबकि 20 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब सरकार द्वारा अब तक 22,938 व्यक्तियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार की ओर से 219 राहत शिविर खोले गए हैं, जिनमें कुल 5404 व्यक्तियों को शरण दी गई है।

मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य के कई जिलों में अब तक कुल 1,76,980.05 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई है। उन्होंने बताया कि बाढ़ के कारण अब तक 48 व्यक्ति अपनी जान गंवा चुके हैं, जबकि जिला पठानकोट से 3 व्यक्ति लापता हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बाढ प्रभावित पंजाब व हिमाचल के लिए सहायता सामग्री के 25 ट्रकों को झंडी दिखाकर किया रवाना

ट्रकों को रवाना करने से पहले मुख्यमंत्री ने लिया माता मनसा देवी का आशीर्वाद

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय (पंचकमल), पंचकूला से बाढ प्रभावित पंजाब व हिमाचल प्रदेश के लिए सहायता सामग्री के 25 ट्रकों को झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें 15 ट्रक पंजाब के लिए और 10 ट्रक हिमाचल प्रदेश के लिए शामिल हैं।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने माता मनसा देवी मंदिर में पूजा अर्चना की और महामायी का आशीर्वाद लिया।

आपदा की स्थिति में लोगों की मदद करना हमारा दायित्व

पंचकमल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इन ट्रकों के माध्यम से पंजाब व हिमाचल के बाढ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को रोजमर्रा की जरूरी चीजें पंहुचाई जा रही हैं ताकि आपदा के इस समय में उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्य पंजाब के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी प्राकृतिक आपदा से काफी नुकसान हुआ है। कई जगह गांव के गांव प्रभावित हुए हैं और लोगों के

साथ-साथ पशु धन भी इसकी चपेट में आया है। ऐसी स्थिति में लोगों की मदद करना हमारा दायित्व बनता है। लोगों को राहत पहुँचाने के लिए हरियाणा सरकार के साथ-साथ पार्टी भी प्रभावित क्षेत्रों में लगातार राहत सामग्री पंहुचा रही है। प्रतिदिन हरियाणा से पंजाब के बाढ प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत सामग्री के ट्रक भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह व भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा के निर्देशानुसार 'सेवा ही संगठन' की भावना से कार्य करते हुए सरकार पार्टी के साथ मिलकर प्राकृतिक आपदा में लोगों को राहत पहुँचाने का कार्य कर रही है।

अब तक क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 1 लाख 69 हजार 738 किसानों ने 9 लाख 96 हजार 701 एकड़ क्षेत्र का करवाया पंजीकरण

हरियाणा के संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निचले इलाकों में जल भराव हुआ है। हमने जलभराव से ग्रस्त क्षेत्रों में तुरंत राहत के लिए प्राथमिकताएं तय की हैं और राहत कार्य निरंतर चल रहा है। नागरिकों की कठिनाई को कम करने के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला हुआ है। इसका उद्देश्य आम जनता द्वारा अपने नुकसान व क्षति के लिए आवेदन जमा करने की प्रक्रिया को आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि अब तक क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 1 लाख 69 हजार 738 किसानों ने 9 लाख 96 हजार 701 एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण कवाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात में कुछ घरों की छत गिरने से जानमाल की हानि हुई है। ऐसे परिवारों को राज्य सरकार की ओर से 4-4 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा घायलों को भी आर्थिक सहायता दी गई है।

हरियाणा की ओर से पंजाब को निरंतर भेजी जा रही है राहत सामग्री

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस दिन पंजाब में प्राकृतिक आपदा आई थी उस दिन उन्होंने पड़ोसी सूबे के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि आपदा की इस स्थिति में किसी भी प्रकार के सामान व संसाधन की आवश्यकता है तो वे निसंकोच बताएं। हरियाणा की ओर से तुरंत सहायता पंहुचाई जाएगी। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की ओर से पंजाब को निरंतर राहत सामग्री भेजी जा रही है। आज भी पंजाब के लिए राहत सामग्री से भरे 15 ट्रक भेजे गए हैं।

हिमाचल बीजेपी अध्यक्ष श्री राजीव बिंदल ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया

हिमाचल बीजेपी अध्यक्ष श्री राजीव बिंदल ने आपदा ग्रस्त हिमाचल को राहत सामग्री भेजने के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 10 ट्रकों के माध्यम से चंबा जिला के प्रत्येक प्रभावित परिवार को राहत सामग्री वितरित की जाएगी। इसमें रोजमर्रा में उपयोग होने वाली खाद्य सामग्री जैसे चावल, आटा, चीनी, दालों के अलावा त्रिपाल, कंबल, बिस्तर इत्यादि शामिल हैं। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री असीम गोयल, कालका विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा, मेयर श्री कुलभूषण गोयल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता, जिलाध्यक्ष श्री अजय मितल, बीजेपी प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बंतो कटारिया, उपायुक्त श्रीमती मोनिका गुप्ता, पुलिस उपायुक्त श्रीमती सृष्टि गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव, एसडीएम श्री चंद्रकांत कटारिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में पटना-हाजीपुर मुख्य मार्ग पर चलती कार में लगी आग, कूद पड़ा कार चालक

वैशाली, एजेंसी। बिहार के वैशाली जिले में चलती कार में अचानक आग लग गई। हाजीपुर में बीच सड़क कार में आग लगने की घटना से सभी चौंक गए। गनीमत यह रही कि कार सवार मालिक ने कार से कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाई है। बताया जा रहा है कि पटना-हाजीपुर मुख्य मार्ग पर यह दुर्घटना हुई। गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के तेरसिया मोड़ के पास चलती कार में अचानक आग लगने से लोग दहशत में आ गए। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और कार धूं-धूं कर जलने लगी। बीच सड़क कार में लगी आग का वीडियो सामने आया है। वीडियो में नजर आ रहा है कि कार धूं-धूं कर जल रही है। आसपास से कुछ लोग भी गुजर रहे हैं और वो आग में लिपटी कार को देख कर हैरान भी हैं। वीडियो में नजर आ रहा है कि कार में लगी आग को बुझाने का भी प्रयास किया जा रहा है।

अपने ही घर में महिला ने की 25 लाख की चोरी, हिस्ट्रीशीटर दोस्त की सलाह पर रची कहानी

कन्नौज , एजेंसी। अपने ही घर में महिला ने की 25 लाख की चोरी, हिस्ट्रीशीटर दोस्त की सलाह पर रची ये कहानी यूपी के कन्नौज में शुक्रवार सुबह महिला को स्प्रे डालकर घर 25 लाख की चोरी की सनसनीखेज घटना का पुलिस ने शनिवार को खुलासा किया। शिक्षक की पत्नी ने अपने हिस्ट्रीशीटर दोस्त की सलाह पर खुद ही अपने घर में चोरी की और मामले को घुमाने के लिए स्प्रे वाली कहानी गढ़ दी। अब महिला ने सच्चाई कबूल कर ली है और उसके पास से नगदी और जेवर भी बरामद हो गए हैं। सौरिख कस्बे के गांधी नगर मोहल्ले में रहले वाले प्रशांत कुमार उर्फ रामलखन यादव प्रशांत कुमार सुबह साढ़े छह बजे किसी कार्यवश अगौस इंदरगढ़ गए थे। उनका 15 वर्षीय बेटा स्कूल गया था, जबकि 12 वर्षीय बेटी सौम्या घर के कमरे में सो रही थी। इसी दौरान, सुबह करीब साढ़े सात बजे, उनकी पत्नी शीला ने उनको पड़ोसी के मोबाइल से फोन किया और बताया कि दो अज्ञात लोग गेट खटखटाकर घर में घुसे और उनके चेहरे पर नशीला स्प्रे मार दिया, जिससे वह बेहोश हो गईं। होश आने पर उन्होंने घर से जेवर और नगदी गायब पाई। दिन दहाड़े इतनी बड़ी वारदात की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कम्प मच गया। मौके पर एसपी सहित पुलिस फोर्स पहुंच गया। डाग स्क्वायड और फील्ड यूनिट ने जांच पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने जब आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो किसी संदिग्ध गतिविधि के प्रमाण नहीं मिले। इससे पुलिस को पहले ही घटना पर संदेह हुआ। जब महिला से गहराई से पूछताछ की गई तो वह बेहोशी का नाटक करने लगी, लेकिन सख्ती से सवाल-जवाब करने पर सच्चाई सामने आ गई। शीला ने कबूल किया कि चोरी की कहानी झूठी थी और उसने खुद ही अपने गहने और नगदी किचन में एक डिब्बे में छिपा दी थी। पूछताछ में उसने बताया कि उसका संपर्क मैनपुरी जिले के एक हिस्ट्रीशीटर से है, जिस पर कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसी ने इस झूठी चोरी की योजना बनाने में उसकी मदद की थी। महिला पहले भी उस व्यक्ति को पति की चेन और अंगूठियां दे चुकी थी और डर रही थी कि पति पूछेंगे तो क्या जवाब देगी, इसी कारण उसने यह साजिश रची। इतना ही नहीं, उसने पति को पड़ोसी के फोन से सूचना दिलवाकर पूरी घटना को असली दिखाने की कोशिश की। पुलिस ने जब उससे सच उगलवाया तो उसने गहने और नकदी भी बरामद करवा दिए। पुलिस महिला के खिलाफ फर्जी सूचना देने, फर्जी सबूत तैयार करने और गुमराह करने के आरोप में कानूनी कार्रवाई कर रही है। वारदात की फर्जी सूचना देने से पहले महिला ने अपने हिस्ट्रीशीटर मित्र से दस बार फोन पर बात की थी। इसके बाद उसने जब पड़ोसी से पति को फोन कराया तो बताया कि उसके मोबाइल का पैटर्न लाक नहीं खुल रहा है। इस वारदात से पुलिस को पहले ही शक हो गया था जब आसपास के सीसीटीवी में कोई संदिग्ध या गतिविधि नहीं दिखी।

शाहपुर में भव्य युद्ध स्मारक का किया जाएगा निर्माण: केवल सिंह पठानिया

● बोले, हिमाचल के वीर सपूतों का देश की रक्षा में है अभूतपूर्व योगदान ● वीर नारियों और सेना में उत्कृष्ट सेवाएं देने वालों को किया सम्मानित

धर्मशाला। उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि शाहपुर में शहीदों की यादों को तरोताजा रखने के लिए युद्ध स्मारक का निर्माण किया जाएगा इस के लिए भूमि चिह्नित कर ली गई है। रविवार को शाहपुर ब्लाक पूर्व सैनिक सैल की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्यातिथि केवल सिंह पठानिया ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को वीर भूमि होने का श्रेय प्राप्त करने में हिमाचल के वीर सपूतों का अभूतपूर्व योगदान रहा है। जब भी देश को आवश्यकता हुई है, यहाँ के वीर जवानों ने अभूतपूर्व सैन्य परम्पराओं का निर्वहन करते हुये अपने साहस और पराक्रम का परिचय दिया है, यहाँ तक कि अपने प्राणों की आहुति देने से पीछे नहीं रहे हैं। कारगिल युद्ध में हिमाचल के 52 वीरों ने अपने प्राण देश के लिये न्योछावर किये हैं, जिनमें से 15 वीर सैनिक कांगड़ा जिले से थे। स्वतन्त्रता प्राप्ति से आज तक हिमाचल के लगभग 1728 वीरों ने अपने प्राण देश के लिये न्योछावर किये हैं। उन्होंने कहा कि इस छोटे से पहाड़ी प्रदेश के 04 जाँबाज सैनिकों को परम वीर चक्र, 02 को अशोक चक्र, 10 को महावीर चक्र तथा 25 को कीर्ति चक्र जैसे शौर्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इसके अतिरिक्त 1162 सैनिक विभिन्न पदकों द्वारा सम्मानित हैं। इनमें से जिला कांगड़ा के 02 परम वीर चक्र (मेजर सोमनाथ शर्मा व कैप्टन विक्रम बतरा), 01 अशोक चक्र, 04 महावीर चक्र, 12 कीर्ति चक्र, 18 वीर चक्र, 30 शौर्य चक्र व 374 सैनिक विभिन्न पदकों द्वारा सम्मानित हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान हिमाचल सरकार ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खु के नेतृत्व में वीर नारियों, पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों के कल्याण हेतू विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं चलाई हैं। उन्होनें कहा कि सितम्बर 2023 से युद्ध ऑपरेशन के समय शहीद अपंग हुए सैनिकों के आश्रितों को प्रदान की जा रही अनुग्रह अनुदान राशि की दरों में डेढ़ गुणा बढ़ौतरी की गई। शहीद सैनिकों के परिवारों को मिलने वाली 20 लाख की राशि को बढ़ाकर 30 लाख, अन्य कारणों से सैनिकों की मृत्यु पर राशि को 5 लाख से 7.50 लाख तथा युद्ध में अपंग सैनिकों की राशि को 2.50 लाख से 3.75 लाख व 1.00 लाख से 1.50 लाख किया गया। सितम्बर 2023 से नॉन पैन्शनर पूर्व सैनिकों व उनकी विधवाओं को मिलने वाली बुढ़ापा आर्थिक सहायता की पात्रता हेतु 35,000 रूपए की वार्षिक आय सीमा की शर्त को हटाया गया। इसके साथ ही बुढ़ापा आर्थिक सहायता की मासिक सहायता राशि को 01 अप्रैल, 2025 से 3,000ध्- से बढ़ाकर 5,000 रूपए कर दिया गया है। द्वितीय विश्व युद्ध के नॉन पैन्शनर पूर्व सैनिकों व उनकी विधवाओं को दी जा रही बुढ़ापा आर्थिक सहायता को 31 अक्तूबर 2023 से प्रथम विश्व युद्ध के नॉन पैन्शनर पूर्व सैनिकों को भी प्रदान करने की स्वीकृति प्रदेश सरकार द्वारा दी गई।

वीर नारियों और उत्कृष्ट सैन्य सेवाओं के लिए मिला सम्मान – उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने इस अवसर पर उत्कृष्ट सैन्य सेवाओं एवं वीर नारियों को सम्मानित भी किया गया जिसमें विशिष्ट सेवा मैडल विजेता कर्नल जय सिंह, वीर नारियों पिंकी देवी, सावित्री देवी, सोमा देवी तथा सिंदूर आपरेशन के शहीद सूबेदार मेजर पवन कुमार की धर्मपत्नी सुषमा देवी, साधना देवी, तथा शहीद राकेश के भाई को सम्मानित किया गया।

सैन्य अनुभवों को किया सांझा – इस अवसर पर सुनिता बोहरा ने शहीद की मां कविता सुनाकर सबको भाव विभोर किया वहीं विशिष्ट सेवा मैडल से अलंकृत जय सिंह ने अपने सैन्य अनुभवों को सबके साथ सांझा किया वहीं सावित्री देवी ने देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुति भी दी। चंगर पूर्व सैनिक सैल ने आपदा राहत कोष के लिए 50 हजार की राशि भी भेंट की। इस अवसर पर शाहपुर सैनिक सैल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एसएस राणा, उपाध्यक्ष मेजर कुलदीप सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी सुनंदा पठानिया सहित पूर्व सैनिक उपस्थित थे।

दूध पर न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू होने से नई ऊंचाइयां छू रही है हिमाचल की ग्रामीण अर्थव्यवस्था

मिल्कफेड रोजाना किसानों से खरीद रहा औसतन 2.32 लाख लीटर गाय का दूध

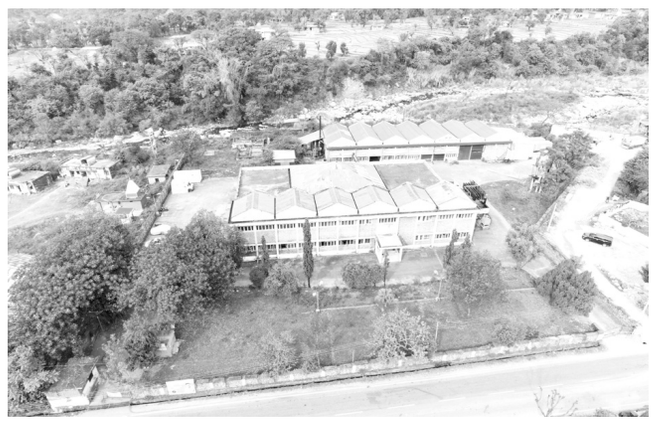

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने दूरदर्शी सोच अपनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की है। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि गांव, किसान, महिलाएं और ग्रामीण युवा प्रदेश की आर्थिक प्रगति के केंद्र में हों। इसी नीति के अंतर्गत, दूध उत्पादकों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य दिलाने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू किया गया है, जो हिमाचल के इतिहास में एक उल्लेखनीय और क्रांतिकारी कदम है। दूध उत्पादन, बागवानी, पशुपालन, प्राकृतिक खेती और महिला स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की गई हैं।

प्रतिदिन 38,400 किसानों से दूध की खरीद – प्रदेश सरकार ने देश में पहली बार दूध का न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। हिमाचल प्रदेश दुग्ध प्रसंघ 38,400 किसानों से प्रतिदिन औसतन 2.25 लाख लीटर गाय का दूध 51 रुपये प्रति लीटर की दर से खरीद रहा है। वर्ष 2024-25 के दौरान प्रसंघ के द्वारा औसतन 1.57 लाख लीटर प्रतिदिन दूध की खरीद की गई। इसी प्रकार 1,482 भैंस पालकों से प्रतिदिन 7,800 लीटर दूध 61 रुपये प्रति लीटर की दर से खरीदा जा रहा है। एक नई पहल के अंतर्गत ऊना जिला में पायलट आधार पर बकरी पालकों से 70 रुपये प्रति लीटर की दर से बकरी का दूध खरीदा जा रहा है। इसी प्रकार प्रसंघ द्वारा किसानों से प्रतिदिन कुल मिलाकर 2.32 लाख लीटर दूध की खरीद की जा रही है।

परिवहन सब्सिडी में इज़ाफा – दुग्ध समितियों को प्रोत्साहन देने के लिए परिवहन सब्सिडी को 1.50 रुपये से बढ़ाकर 3 रुपये प्रति लीटर किया है। दो किलोमीटर से अधिक दूरी तक दूध खरीद केन्द्र तक स्वयं दूध ले जाने वाले पशुपालकों और समितियों को 2 रुपये प्रति लीटर सब्सिडी देने का प्रावधान भी किया गया है। हिमाचल सरकार ने दूध उत्पादकों की सुविधा के लिए बल्क मिल्क कूलर स्थापित करने का निर्णय भी लिया है। इस निर्णय से दूध की गुणवत्ता व इसका समुचित उपयोग सुनिश्चित होगा तथा किसानों को कमीशन भी प्रदान की जाएगी।

प्रदेश में 11 दूध विधायन संयंत्र कार्यशील –वर्तमान में प्रसंघ के अंतर्गत 11 दूध विधायन संयंत्र कार्यरत हैं जिनकी कुल क्षमता 1,80,000 लीटर प्रतिदिन है। पांच मीट्रिक टन प्रतिदिन की क्षमता वाला एक मिल्क पाउडर प्लांट जिला शिमला के प्लांट दत्तनगर में कार्यरत है जबकि 16 मीट्रिक टन प्रतिदिन की क्षमता वाला पशु आहार संयंत्र जिला हमीरपुर के भौर में स्थापित किया गया है। दूध उत्पादकों को भुगतान में पारदर्शिता लाने के लिए प्रसंघ स्वचालित मिल्क कलेक्शन यूनिट (एएमसीयूएस) पूरे राज्य में स्थापित कर रहा है।

दूध उत्पादकों को प्रतिमाह 39.48 करोड़ रुपये का लाभ – प्रसंघ राज्य के दूध उत्पादकों को प्रतिमाह औसतन 39.48 करोड़ रुपये का वित्तीय लाभ दे रहा है जो अभी तक सबसे अधिकतम वित्तीय लाभ दर्ज किया गया है। राज्य के सीमांत दुग्ध उत्पादकों से दूर-दराज इलाकों में घर-द्वार पर पहुंचकर दूध एकत्रित कर उन्हें वित्तीय लाभ पहुंचाया जा रहा है ताकि उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार किया जा सके।

गांवों में चिलिंग प्लांट की सुविधा – स्वच्छ और पोषक दूध के उत्पादन के लिए गांवों में ही दूध शीतलन केंद्र और मिनी प्रसंस्करण प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। पिछले दो वर्षों में प्रसंघ ने प्रदेश में अलग-अलग क्षमता के बल्क मिल्क कूलर स्थापित किए हैं।

दुग्ध उत्पादक समितियों का गठन – दुग्ध उत्पादक समितियों और महिला स्वयं सहायता समूहों के गठन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे दूध उत्पादकों को रोजगार भी मिलेगा और मूल्यवर्धन भी होगा। प्रसंघ ने दुग्ध उत्पादक समितियों के दूध की जांच की शुरुआत भी की है। साफ दूध की उपलब्धता और किसानों को उचित दाम प्राप्त हों, इस उद्देश्य से 222 ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन यूनिट और 32 डीपीएमसीयू लगाए गए हैं। मिल्कफेड ने दूध संग्रहण प्रक्रिया और इकाइयों का डिजिटलीकरण पायलट के आधार पर 8 समितियों में शुरू कर दिया है।

268 नई समितियों का गठन – हिम गंगा योजना को पहले चरण में हमीरपुर और कांगड़ा जिलों में पायलट आधार पर शुरू किया है। मिल्कफेड ने अब तक 268 नई समितियों का गठन किया है, जिनमें से 46 नई समितियां हमीरपुर जिले और 222 समितियां कांगड़ा जिले से संबंधित हैं, जिनमें 20 महिला समितियां शामिल हैं। प्रसंघ ने कांगड़ा जिले में 107 व हमीरपुर जिले में 11 समितियां पंजीकृत की हैं।

मुख्यमंत्री ने सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के आपदा प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया

● चबूतरा के बेघर हुए प्रत्येक परिवार को दिए जाएंगे 8.70 लाख रुपये ● प्रदेश सरकार अपने संसाधनों से देगी 7 लाख रुपये, सामान के लिए भी देंगे 70 हजार रुपये

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज जिला हमीरपुर के सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के आपदा प्रभावित गांवों का दौरा कर नुक्सान का जायजा लिया तथा राहत एवं पुनर्वास कार्यों के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने प्रभावित परिवारों से बातचीत की और उन्हें प्रदेश सरकार की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया। रविवार सुबह जंगलबैरी के हेलीपैड पर उतरने के बाद मुख्यमंत्री ने सबसे पहले गांव खैरी और इसके आस-पास के गांवों में बाढ़ एवं भू-स्खलन से हुए नुक्सान का जायजा लिया तथा प्रभावित परिवारों को ढाढस बंधाया।

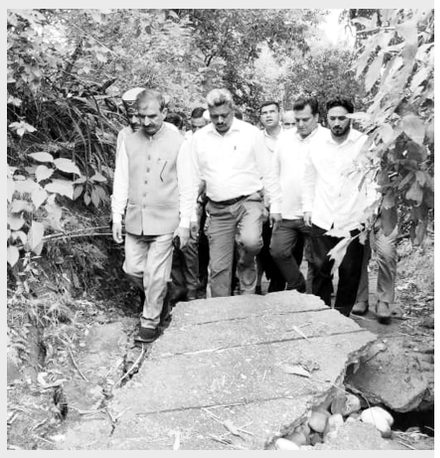

इसके बाद, मुख्यमंत्री गांव चबूतरा पहुंचे और वहां जमीन धंसने के कारण जमींदोज हुए मकानों तथा इसके आस-पास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बेघर हुए परिवारों से भी बातचीत की और राहत एवं पुनर्वास कार्यों के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बेघर हुए परिवारों के मकानों के निर्माण के लिए प्रदेश सरकार अपने संसाधनों से 7-7 लाख रुपये देगी। इसके अलावा घर के लिए आवश्यक सामान खरीदने के लिए भी 70-70 हजार रुपये दिए जाएंगे। स्थानीय विधायक कैप्टन रणजीत सिंह भी अपनी तरफ से एक-एक लाख रुपये देंगे। उन्होंने कहा कि जिला हमीरपुर के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी नुक्सान का आकलन किया जा रहा है तथा प्रभावित परिवारों की मदद की जा रही है। संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मानसून सीजन में प्रदेश भर में हुए भारी नुक्सान का वह स्वयं जाकर जायजा ले रहे हैं और इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष भी उठाया गया है। उन्होंने कहा कि बेघर परिवारों को मकान निर्माण के लिए वन विभाग की सुरक्षित भूमि हस्तांतरित करने का मामला भी केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जाएगा। चबूतरा के बाद मुख्यमंत्री ने कुठेड़ा में भी जन-समस्याएं सुनीं।

इस अवसर पर स्थानीय विधायक कैप्टन रणजीत सिंह, भोरंज के विधायक सुरेश कुमार, कांगड़ा केंद्रीय सहकारी प्राथमिक कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के अध्यक्ष रामचंद्र पठानिया, राज्य नशा निवारण बोर्ड के समन्वयक एवं सलाहकार नरेश ठाकुर, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा और सुमन भारती, अन्य पदाधिकारी, उपायुक्त अमरजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक भगत सिंह ठाकुर, अन्य अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी उपस्थित थे।

बाढ़ की आफत के बीच मगरमच्छ का आतंक, चंबल नदी में किशोर को खींच ले गया

आगरा , एजेंसी।
यूपी के आगरा में पिनाहट के थाना बासौनी क्षेत्र के गांव पुरा बरुआ में शनिवार दोपहर चंबल नदी किनारे नहाने पहुंचे एक 12 वर्षीय किशोर को मगरमच्छ खींच ले गया। इसके बाद देर शाम तक उसका कहीं पता नहीं लगा। अब रविवार को उसकी फिर से तलाश की जाएगी। जानकारी के अनुसार थाना बासौनी क्षेत्र के अंतर्गत गांव पुरा बरुआ निवासी 12 वर्षीय भानु पुत्र दीपू सिंह राजावत शनिवार दोपहर करीब 12 बजे दोस्तों के साथ चंबल नदी के किनारे नहाने के लिए गया था।

बताया गया है कि वह नदी के काफी किनारे पहुंच गया। वहां अचानक आया मगरमच्छ भानु को चंबल नदी में खींचकर ले गया। यह देख उसके दोस्तों ने शोर मचा दिया। गांव में पहुंचकर परिजनों को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही भानु के परिजन मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। परिजनों की सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। स्थानीय गोताखोरों द्वारा किशोर की तलाश की गई उसका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों ने किशोर को तलाशने के लिए पीएसी के गोताखोरों की मांग की है।

रेंजर चंबल वन्य जीव विहार, कुलदीप सहाय पंकज ने जानकारी दी कि चंबल नदी का जलस्तर काफी अधिक है। बाढ़ का पानी खदारों में भर गया है। बच्चे नदी किनारे नहा रहे थे। बच्चों द्वारा बताया गया कि किशोर भानु को मगरमच्छ चंबल नदी में खींच ले गया है। वन विभाग की टीम द्वारा जाल बिछाकर व ड्रोन की मदद से किशोर की तलाश की गई। रविवार सुबह पीएसी और एसडीआरएफ टीम द्वारा किशोर की तलाश की जाएगी। अधिक बारिश के कारण चंबल नदी करीब 126 मीटर पर बह रही है। उसका जलस्तर काफी बढ़ा है। इस कारण स्थानीय गोताखोर चंबल नदी में किशोर को तलाश नहीं कर सके। अब रविवार को किशोर की तलाश की जाएगी।

मदरसा में छात्र का कई दिनों तक हुआ यौन शोषण, फिर गला दाबकर मार डाला

नयागढ़ (ओडिशा) , एजेंसी।
ओडिशा के नयागढ़ जिले में एक मदरसा में नाबालिग छात्र की कथित तौर पर हत्या कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, उस छात्र का लंबे समय तक यौन उत्पीड़न किया गया और फिर उसके ही सीनियर ने उसे मार डाला। इस भयानक घटना के सिलसिले में पांच नाबालिगों को पकड़ा गया है। पीड़ित छात्र कटक जिले का रहने वाला था और नीलमणि में एक मदरसा में पढ़ता था। उसके पिता की शिकायत के अनुसार, उसकी हत्या मदरसा परिसर में एक सुनसान बाथरूम के अंदर की गई और उसके शव को एक सेप्टिक टैंक में फेंक दिया गया।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित को एक सीनियर छात्र द्वारा बार-बार प्रताड़ित किया जा रहा था। 31 अगस्त को दोपहर 1 बजे के करीब, दो छात्रों ने उसका यौन शोषण करने के बाद उस पर हमला किया और उसे मृत मानकर एक सेप्टिक टैंक में छोड़ दिया। बच्चा उस रात तो भागने में कामयाब रहा, लेकिन 2 सितंबर को उसे बचाने के बहाने दो छात्रों ने फिर से उसी जगह पर बुलाया। तीन अन्य छात्रों के साथ मिलकर उन्होंने कथित तौर पर उसका यौन शोषण किया। इसके बाद गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी और शव को टैंक में फेंक दिया। एक फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किए और गवाहों के बयानों ने आरोपियों की संलिप्तता की पुष्टि की। 12 से 15 साल की उम्र के सभी पांचों नाबालिगों पर यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम, 2012 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। मदरसा ने उनके नाम अपने रिकॉर्ड से हटा दिए हैं और उनके जन्म प्रमाण पत्र जब्त कर लिए हैं। आगे की कार्यवाही के लिए यह मामला किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष रखा गया है।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

वेद-पुराणों में स्पष्ट तौर पर वर्णित है कि गावो विश्वस्य मातरः : श्रद्धेय आचार्य सीताशरण जी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गौ-गंगा कृपाकांक्षी पूज्य श्री गोपाल मणि' जी के सानिध्य में श्री गोपाल गोलोक धाम, रामेश्वरी भक्ति आश्रम ट्रस्ट, शाखा कैंबवाला द्वारा पितृ पक्ष के अवसर परअमृतमयी धेनुमानस गौकथा श्रद्धेय आचार्य सीताशरण जी के श्रीमुख से गोलोक धाम, कैंबवाला, में हो रही है। आज इस पवित्र धेनुमानस गौकथा के पांचवे दिन कथाव्यास ने श्रद्धालुओं को वेद-पुराणों में वर्णित गोमाता की महिमा बताई व कहा कि इन ग्रंथों में स्पष्ट तौर पर लिखा गया है कि गावो विश्वस्य मातरः अर्थात गाय विश्व की माता है।

उन्होंने कहा कि आज की बदलती पर्यावरण की परिस्थितियों में शुद्ध हवा की वातावरण में बहुत कमी हो रही है। जीवन जीने के लिए हमें ऑक्सीजन की जरूरत होती है। आज सबसे बड़ा देवता ऑक्सीजन है। गाय 24 घंटे ऑक्सीजन देती है। इस तरह वैज्ञानिक दृष्टिकोण से गाय में सबसे बड़े देवता का वास है। गाय के सम्मान के लिए हम सभी को खड़े होना चाहिए। गाय को हमारा प्रेम और सम्मान चाहिए। दूध ना देने वाली गाय का जब हम सम्मान करते हैं तो वह कामधेनु बन जाती है और हमारी हर इच्छा पूरी करती है। गाय के पंचगव्य को हमें रोजगार से भी जोड़ना चाहिए। गोबर प्लांट लगाकर उसकी गैस का घरों में प्रयोग किया जाए तथा वाहन चलाने में प्रयोग किया जाए। हमने यदि गाय के गोबर को आजीविका से जोड़ दिया तो नए समृद्ध भारत का निर्माण होगा। इस अवसर पर भक्तों ने गो माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा देने की मांग का पुरजोर समर्थन किया।आज गौ कथा में मुख्य रूप से आचार्य डॉ सीता जुयाल, देहरादून, से देवालय पूजक परिषद के समस्त कार्यकारणी सदस्य, गोधाम से प्रधान रत्नो देवी, नंदकुमार, ओमपाल शर्मा, बलजीत,साहूकार सिंह, जेपी मित्तल, एसएल नौटियाल, एसके शर्मा, हेमचंद कश्यप, पीपी बालोदी, एसडी जोशी एवं विभिन्न कीर्तन मंडलियों के साथ गौशाला के समस्त गो भक्तों ने कथा में उपस्थिति दी।

स्वदेशी स्वावलम्बी भारत अभियान के तहत संकल्प यात्रा कालका से शुरू : पुष्पवर्षा से जगह जगह हुआ स्वागत

हिन्द जनपथ

कालका : स्वदेशी स्वावलम्बी भारत अभियान संस्था द्वारा स्वदेशी संकल्प यात्रा का विधिवत शुभारम्भ श्री काली माता मंदिर, कालका से हुआ जिसमें बड़ी संख्या में स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थीगण, मातृ शक्ति और सहयोगी संस्थाओं के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। यात्रा का मुख्य आकर्षण स्वदेशी संकल्प रथ, विवेकानंद स्कूल द्वारा बनाया गया। क्रिएटिव रथ और हर किसी के हाथ में स्वदेशी झंडा, बैनर इत्यादि सामग्री से पूरा कालका स्वदेशीमय हो गया। संस्था के उत्तर भारत समन्वयक डॉ. राजेश गोयल ने सबका मार्गदर्शन किया व कालका की विधायक शक्ति रानी, डॉ . रवि बिंदल व टीएन सैनी ने सबसे स्वदेशी अपनाने का आग्रह करते हुए स्वदेशी संकल्प करवाया। इस मौके पर त्रिप्रांतीय संगठक विनय शर्मा, स्वर्णिम भारत वर्ष फाउंडेशन के केंद्रीय सचिव मोहित गोयल, कुलदीप पुनिया, चेयरमैन नगर परिषद कालका कृष्ण लांबा, अरुण गर्ग, हरीश मोंगा, बीमू राव, मयूर प्रताप, नरेंद्र डाबला, विजय कालिया, विनीत वर्मा, वरुण गर्ग, अमित, रंजीत राणा व विनोद सवर्णी समेत अनेक स्वयंसेवक मौजूद रहे।

भगवान वाल्मीकि शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर सेक्टर 32 के वाल्मीकि मंदिर में अहम बैठक आयोजित

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। रविवार को भगवान वाल्मीकि शोभायात्रा आयोजन कमेटी, चण्डीगढ़ की ओर से सेक्टर-32 स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर में एक जनरल मीटिंग आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता चेयरमैन विकास कुमार चंडालिया ने की, जबकि वाइस चेयरमैन कंवलजीत सिंह सिद्धू विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस बैठक में सैकड़ों की संख्या में धार्मिक गुरु, राजनीतिक प्रतिनिधि, मंदिर कमेटी के अध्यक्ष, रविदास महासभा, धानक महासभा, डॉ. अंबेडकर महासभा, डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्टर सोसाइटी, ड्राइवर यूनियन, सफाई कर्मचारी संघर्ष समिति, 36 बिरादरी भाईचारा और सर्व समाज के लोग शामिल हुए। सभी ने शोभायात्रा को भव्य बनाने के लिए आयोजन कमेटी को अपना समर्थन दिया। बैठक के दौरान चेयरमैन विकास कुमार चंडालिया ने जानकारी दी कि शोभायात्रा का शुभारंभ फेस-2 रामदरबार स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर से होगा। यह यात्रा 31–32, 20–30, 20–21, 22–23 और 23–24 लाइट प्वाइंट से गुजरते हुए सेक्टर-25 खेड़ा मंदिर के पास एक भव्य सत्संग समारोह में संपन्न होगी। इस अवसर पर संत महात्माओं के प्रवचन और भगवान वाल्मीकि जी के सत्संग का आयोजन किया जाएगा। बैठक में सर्वसम्मति से संदर्श वेद उर्फ जोसेफ को शोभायात्रा आयोजन कमेटी का संयोजक नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में शामिल सभी श्रद्धालुओं के लिए लंगर की व्यवस्था भी की गई थी।चेयरमैन और वाइस चेयरमैन ने बैठक में पहुंचे सभी धर्म प्रेमियों और सामाजिक संगठनों का धन्यवाद किया।

क्षेत्र के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर राहत कार्यों का निरीक्षण किया

हिन्द जनपथ

डेराबस्सी(ब्यूरो)। डेराबस्सी क्षेत्र के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने रविवार को हाल ही में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और राहत कार्यों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति का आकलन किया।

बीडीपीओ कार्यालय डेराबस्सी से बाढ़ प्रभावित गाँवों में राहत सामग्री भेजते हुए उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में क्षेत्र के किसी भी परिवार को कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

उन्होंने भांखरपुर में घग्गर तटबंध को मजबूत करने के लिए किए जा रहे कार्य का मौके पर निरीक्षण किया और ठेकेदार व अधिकारियों को तेजी से काम करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों के सहयोग के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कठिन समय में प्रशासन और जनता के बीच आपसी समन्वय बहुत ज़रूरी है।

लगातार हो रही बारिश के बाद रंधावा ने बहादुरगढ़ गाँव का भी दौरा किया और दीवार गिरने से हुए नुकसान की मरम्मत और सड़क की मरम्मत का आश्वासन दिया।

बाद में, विधायक रंधावा ने जराट गाँव का दौरा किया और वहाँ के हालात का जायज़ा लिया तथा लोगों से बातचीत की। इस अवसर पर ज़रूरतमंद लोगों को राहत सामग्री भी प्रदान की गई। विधायक स. रंधावा ने कहा कि उनके क्षेत्र में चल रहे राहत कार्यों की निगरानी जारी रहेगी और किसी भी परिवार को कोई कठिनाई नहीं आने दी जाएगी।

नेशनल अवार्डी अध्यापकों ने बाढ़ राहत कार्यों के लिए दिए 1.25 लाख रुपये

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के लिए इस कठिन समय में एकजुटता की मिसाल पेश करते हुए नेशनल अवार्डी टीचर्स एसोसिएशन (नाटा) पंजाब ने राज्य सरकार के बाढ़ राहत कार्यों में अपना योगदान देने हेतु शिक्षक दिवस के अवसर पर पंजाब के शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस को 1.25 लाख रुपये का चेक भेंट किया।

डॉ. बलराम शर्मा की अगुवाई में नाटा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री बाढ़ राहत कोष में योगदान हेतु स हरजोत सिंह बैंस से मुलाकात की और राज्य को इस चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिया।

स हरजोत सिंह बैंस ने नेशनल अवार्डी अध्यापकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये शिक्षक शिक्षा विभाग का गौरव हैं। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए अध्यापकों की पहल और सामाजिक भाईचारे को और सुदृढ़ बनाने की भावना की सराहना की।

डॉ. बलराम शर्मा, अमरजीत सिंह चहल तथा नाटा के अन्य सदस्य शिक्षा मंत्री को भरोसा दिलाया कि नाटा पंजाब, बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में विद्यार्थियों के शैक्षणिक नुकसान को कम करने हेतु अपना समर्थन जारी रखेगा, जो उनके शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और सुहृद भावना को दर्शाता है।

शिक्षा मंत्री द्वारा सभी शैक्षणिक संस्थानों को पुनः खोलने की घोषणा

सरकारी स्कूल सोमवार को खुलेंगे लेकिन कक्षाएँ मंगलवार से शुरू होंगी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश में हाल ही में आई भयंकर बाढ़ और भारी बारिशों के बाद हालात पहले की तरह हो रहे हैं, इसको देखते हुये पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस ने आज प्रदेश के सभी स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, पॉलिटेक्निक संस्थानों और आई.टी.आई. सहित सभी शैक्षणिक संस्थानों को 8 सितंबर से पुनः खोलने की घोषणा की है। साथ ही गंभीर रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में इन संस्थानों को बंद रखने संबंधी फ़ैसला लेने का अधिकार डिप्टी कमिश्नरों को दिया गया है।

इन संस्थानों को पुनः खोलने की योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए श्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि निजी स्कूल 8 सितंबर को शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए पुनः खुलेंगे। इसके साथ ही भवन और कक्षाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना स्कूल प्रबंधन की ज़िम्मेदारी होगी। सरकारी स्कूलों की समय-सारणी अलग होगी: शिक्षक और स्टाफ़ 8 सितंबर को निरीक्षण, सफ़ाई और नुक़सान का जायज़ा लेकर रिपोर्ट करेंगे तथा विद्यार्थियों की कक्षाएँ 9 सितंबर से दोबारा शुरू होंगी। उन्होंने स्कूल प्रमुखों को निर्देश दिया कि वे एस.एम.सीज., पंचायतों और नगर परिषदों की मदद से सरकारी स्कूलों की सफ़ाई सुनिश्चित करें और यदि इमारत या क्लासरूम को कोई नुक़सान हुआ है तो इसकी रिपोर्ट तुरंत डिप्टी कमिश्नर, एस.डी.एम. या इंजीनियरिंग विभाग को दें, ताकि विद्यार्थियों और स्टाफ़ की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने आगे कहा कि कॉलेज, विश्वविद्यालय, आई.टी.आई.ज़. और पॉलिटेक्निक संस्थान 8 सितंबर से शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए नियमित रूप से शुरू हो जाएंगे। विद्यार्थियों और स्टाफ़ की सुरक्षा पर ज़ोर देते हुए शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस ने प्रशासन को निर्देश दिया कि वे शैक्षणिक संस्थानों के क्रियाशील और सुरक्षित होने को सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएँ। स्कूल प्रमुखों और प्रबंधन समितियों को पानी की निकासी और इमारतों की अच्छी तरह सफ़ाई सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

इत्तेहादुल मुसलमीन वेलफेयर कमेटी ने फिरोजपुर के बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी राहत सामग्री

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। वार्ड नंबर 26 (डडूमाजरा कालोनी) में इत्तेहादुल मुसलमीन वेलफेयर कमेटी ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए फिरोजपुर जिले के बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए राहत सामग्री भेजी है। कमेटी की ओर से बड़ी मात्रा में राशन सामग्री पैक कर जिसमें साबुन, तेल, तिरपाल, ऑडोमॉस, राशन, सैनिटरी पैड, बैंडेज, बीटाडिन एवं कपड़े प्रभावित इलाकों तक पहुँचाने की व्यवस्था की गई। कमेटी के अध्यक्ष नूर मोहम्मद ने कहा कि बाढ़ जैसी आपदा की घड़ी में ज़रूरतमंदों की मदद करना हर नागरिक का फर्ज है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आगे आकर राहत कार्यों में सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर वार्ड नंबर 26 के ब्लॉक प्रधान हरजिंदर सिंह प्रिंस, सोशल मीडिया के स्टेट कोऑर्डिनेटर एवं महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव ममता डोगरा, ब्लॉक इंचार्ज अमन स्लैच एवं रमेश सिंह विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने कमेटी के चेयरमैन मोहम्मद नफीस, उप प्रधान उस्मान अली, इकतार अली अंसारी, राजा कुरैशी एग्जीक्यूटिव मेंबर, मस्जिद के इमाम उज्जैन करी, वीराल कुरैशी एग्जीक्यूटिव मेंबर, अब्दुल कलाम कैशियर आदि उपस्थित रहे।

22,854 व्यक्ति सुरक्षित निकाले गए, बाढ़ के कारण 3 और जानें गईं: हरदीप सिंह मुंडियां

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री स हरदीप सिंह मुंडियां ने आज बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान 48 और गांव, 2691 आबादी और 2131 हेक्टेयर रकबे में खड़ी फसलें प्रभावित हुईं हैं। अब तक 22 जिलों के 1996 गांव प्रभावित हो चुके हैं, जिससे कुल 3,87,013 आबादी प्रभावित हुई है।

स हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान जालंधर जिले के 19 और गांव प्रभावित हुए हैं, जबकि इसी समय में लुधियाना के 13 गांव, फिरोजपुर के 6, अमृतसर के 5, होशियारपुर के 4 और जिला फाजिल्का का एक गांव प्रभावित हुआ है।

लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने संबंधी प्रयासों की जानकारी देते हुए राजस्व मंत्री ने बताया कि पिछले 24 घंटों में 925 और व्यक्तियों को सुरक्षित निकाला गया है, जिससे अब तक कुल सुरक्षित निकाले गए व्यक्तियों की संख्या 22,854 हो गई है। सबसे अधिक गुरदासपुर में (5581), फाजिल्का (4202), फिरोजपुर (3888), अमृतसर (3260), होशियारपुर (1616), पठानकोट (1139) और कपूरथला (1428) व्यक्तियों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

उन्होंने आगे बताया कि प्रदेश में इस समय 139 राहत कैंप जारी हैं, जिनमें 6121 व्यक्तियों को ठहराया गया है। उन्होंने बताया कि बाढ़ की शुरुआत से अब तक विभिन्न जिलों में कुल 219 कैंप स्थापित किए गए हैं। फाजिल्का जिले में 14 कैंपों में 2588 व्यक्तियों को ठहराया गया है। इसी तरह

बरनाला के 49 कैंपों में 527 व्यक्तियों, होशियारपुर के 4 कैंपों में 921 व्यक्तियों, रूपनगर के 5 कैंपों में 250 व्यक्तियों, मोगा के 3 कैंपों में 155 व्यक्तियों और मानसा के 2 कैंपों में 89 प्रभावित व्यक्तियों को ठहराया गया है।

एसएएस नगर: उपायुक्त ने जल निकासी, सड़कों की मरम्मत, स्कूलों की तैयारी और नुकसान के आकलन की प्रक्रिया में तेज़ी लाने के निर्देश दिए

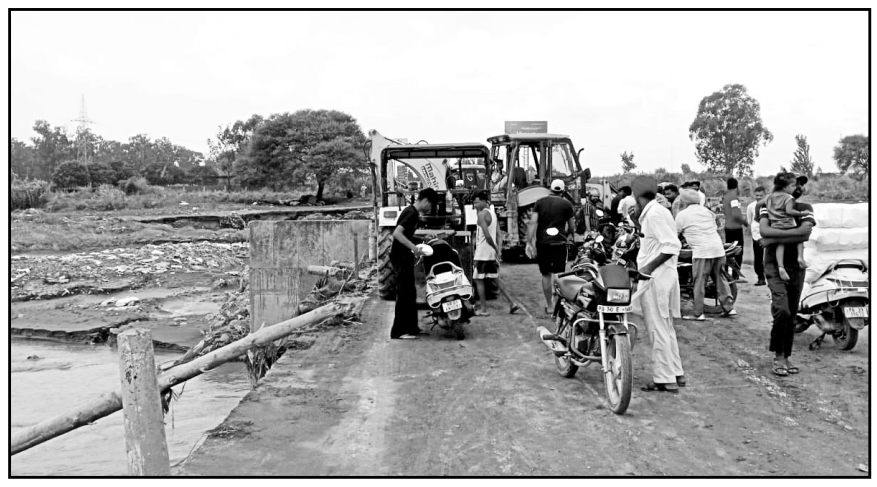

हिन्द जनपथ

साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर,- उपायुक्त कोमल मित्तल ने आज नगर परिषदों और ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जमा पानी की निकासी के प्रयास तेज़ करने के निर्देश दिए ताकि लोगों को तुरंत राहत मिल सके।

उन्होंने आगे बताया कि डेराबस्सी में घग्गर नदी पर बने मुबारकपुर कॉज़वे - जो ज़ीरकपुर को जोड़ने वाला एक प्रमुख संपर्क मार्ग भी है - की सफाई का काम ज़ोरों पर है। सफाई कार्य के साथ-साथ, स्थानीय नगर परिषद की टीमें सुचारू संपर्क सुनिश्चित करने के लिए कॉज़वे की पहुँच सड़कों की मरम्मत में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं।

उन्होंने बताया कि इसके साथ ही, भगत माजरा और पलहेरी के बीच जमा पानी को निकालने के प्रयास जारी हैं। प्रभावित क्षेत्रों में पानी निकालने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए ज़िला प्रशासन द्वारा आवश्यक मशीनरी और मानव संसाधन तैनात किए गए हैं।

उपायुक्त ने जिले भर में सड़क संपर्क को समय पर बहाल करने पर भी ज़ोर दिया। वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने और जनता की असुविधा को कम करने के लिए गड्ढों और क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा, उपायुक्त ने अधिकारियों को सरकारी स्कूल परिसर को जल्द से जल्द खाली करने का निर्देश दिया ताकि मंगलवार से सामान्य शैक्षणिक गतिविधियाँ फिर से शुरू हो सकें।

इसके अलावा, फसलों, पशुओं और घरों को हुए नुकसान का आकलन शुरू हो चुका है और प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि प्रभावित परिवारों को जल्द ही मुआवज़ा वितरित किया जाएगा।

उन्होंने दोहराया कि प्रशासन बाढ़ के बाद की चुनौतियों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और लोगों कोबस्थिति सामान्य होने तक, निरंतर सतर्कता रखने का आश्वासन दिया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुधन की देखभाल हेतु 481 वैटरनरी टीमें तैनात, 22,000 से अधिक पशुओं का इलाज किया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के पशुपालन, डेयरी विकास एवं मत्स्य पालन मंत्री श्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि राज्य में आई भीषण बाढ़ को देखते हुए पंजाब के पशुपालन विभाग की 481 टीमें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुधन की देखभाल और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। प्रत्येक टीम में 4 सदस्य होते हैं, जिनमें एक वैटरनरी अधिकारी, वैटरनरी निरीक्षक/फार्मासिस्ट और एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल है।

बाढ़ के गंभीर प्रभावों को उजागर करते हुए श्री खुड्डियां ने बताया कि पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, फिरोजपुर, फाजिल्का, कपूरथला, बरनाला, बठिंडा, होशियारपुर, तरन तारन, पटियाला, जालंधर, रूपनगर और मोगा सहित

14 जिलों में 504 गायों/भैंसों, 73 भेड़-बकरियां और 160 सूअर मारे गए हैं। इसके अलावा पोल्ट्री शेड ढहने के कारण गुरदासपुर, रूपनगर और फाजिल्का में 18,304 पोल्ट्री पक्षी मरे हैं।

उन्होंने बताया कि बाढ़ से लगभग 2.52 लाख पशुधन और 5,88,685 पोल्ट्री पक्षी प्रभावित हुए हैं।

पशुपालन विभाग द्वारा किए जा रहे राहत कार्यों के बारे में जानकारी साझा करते हुए श्री खुड्डियां ने बताया कि प्रदेशभर में प्रभावित पशुओं के इलाज और दवाइयों की व्यवस्था हेतु 481 टीमें तैनात की गई हैं। अब तक 22,534 जानवरों का इलाज किया जा चुका है। इसके साथ ही राहत कार्यों में बेहतर तालमेल और आपात स्थिति से निपटने के लिए मुख्यालय (संपर्क नंबर 0172-5086064) और जिला स्तरीय कार्यालयों में 247 सक्रिय कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वे राहत कार्यों में सहयोग करें और समर्पित कंट्रोल रूम में पशुओं से संबंधित समस्याओं की रिपोर्ट करने की अपील की। उन्होंने बताया कि विभाग ने जिला प्रशासन और सामाजिक संगठनों के सहयोग से बाढ़ प्रभावित जिलों में पशुओं की सहायता के लिए 12,170 क्विंटल से अधिक फीड और 5090.35 क्विंटल हरा चारा, सूखा चारा और साइलज सहित राहत सामग्री वितरित की है। पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए उन्हें यूरोमिन लिक्स भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव श्री राहुल भंडारी ने बताया कि विभाग ने बाढ़ से प्रभावित जानवरों के इलाज हेतु पहले ही कुल 31.50 लाख रुपये जारी कर दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कंट्रोल रूम पर आने वाली कॉलों पर तुरंत कार्रवाई करें, प्रभावित जानवरों को समय पर चिकित्सीय सेवाएं उपलब्ध कराएं और प्रभावी राहत कार्यों के लिए जिला प्रशासन तथा सामाजिक संगठनों से तालमेल बनाए रखें।

सांसद मनीष तिवारी ने पटियाला की राव में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों से मुलाकात की; हालातो का जायज़ा भी लिया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चंडीगढ़ से सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी ने पटियाला की राव में आई बाढ़ से प्रभावित डडूमाजरा और धनास गाँवों का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ स्थानीय लोग और कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

इस संबंध में उन्होंने X पर पोस्ट करके ज़िला प्रशासन से पटियाला की राव की उचित ड्रेजिंग करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है कि पटियाला की राव में आई बाढ़ से खड़ी फ़सलों को नुकसान पहुँचा है। उन्होंने प्रशासन से इस आपदा से प्रभावित ग्रामीणों को राहत पहुँचाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने को कहा। सांसद ने ज़ोर देते हुए कहा कि अगर पटियाला की राव की सफाई की जाए, उसके किनारों को मज़बूत किया जाए और अन्य सुधार किए जाएँ। इससे तो न केवल लोगों की समस्याएँ हल होंगी, बल्कि इसे वाटर फ्रंट प्रोजेक्ट के रूप में भी विकसित किया जा सकता है।

सांसद तिवारी ने बताया कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए धनास पुल से तोगा पुल तक सड़क निर्माण और मौजूदा पुल को ऊंचा करने की सिफारिश की गई है। इसके साथ ही, उन्होंने डडूमाजरा डंपिंग ग्राउंड से रिसने वाले पानी के कारण दलदली क्षेत्र को साफ करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम मिलकर प्रयास करें तो यह एक महत्वपूर्ण परियोजना बन सकती है। इस मौके पर पूर्व मेयर कुलदीप कुमार, चंडीगढ़ कांग्रेस के प्रवक्ता दिलावर सिंह और नरिंदर चौधरी, राजेश धीमान, कुलदीप सिंह सैनी, सुखदेव धीमान, सुरिंदर सिंह, तारा सिंह, जसपाल सिंह, जसबीर सिंह, तरलोचन सिंह, कुलविंदर सिंह, मेहर सिंह, हरबंस सिंह, दीप सिंह, रविंदर सिंह, रविंदर सिंह, अमन स्लैच, कुलतार सिंह, राकेश कुमार भी मौजूद रहे।

संपादकीय

जहां जिंदगी बचनी थी, वहीं मिली मौत

बड़े अस्पताल आमतौर पर उपचार के लिए सुरक्षित माने जाते हैं। मगर इनके सघन चिकित्सा कक्ष में अव्यवस्था की वजह से नवजात बच्चे चूहों के शिकार बनने लगें, तो यह घोर लापरवाही और संवेदनहीनता का ही सबूत है। यह दुखद ही है कि आए दिन सरकारी अस्पतालों में आज भी अराजकता दिखाई पड़ती रहती है और लापरवाही के कारण कई बार मरीजों की जान भी चली जाती है। मध्य प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में बच्चों के सघन चिकित्सा कक्ष में चूहों के कुतरने से दो नवजात शिशुओं की मौत ने सभी को झकझोर दिया है। इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंत राव चिकित्सालय में बच्चों की मौत के मामले में अस्पताल प्रशासन कठघरे में हैं, लेकिन इस घटना से जहां साफ-सफाई से लेकर कर्मियों की घोर लापरवाही उजागर हुई है, वहीं राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सवालिया निशान लग गया है। लोग अपने बच्चों को अस्पताल में लेकर इस उम्मीद से जाते हैं कि उनका ठीक से उपचार होगा। जब सघन चिकित्सा कक्ष में उन्हें रखा जाता है, तो इस विश्वास के साथ अभिभावक इंतजार करते हैं कि बच्चा स्वस्थ होकर सुरक्षित बाहर आ आएगा। मगर उस कक्ष में भी चूहों के कुतरने से नवजात की मौत हो जाए, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी? क्या यह समूचे अस्पताल प्रबंधन की नाकामी और लापरवाही का सबूत नहीं है? राज्य के इस सबसे बड़े अस्पताल में चूहों की समस्या काफी समय से है। फिर भी इसकी अनदेखी की गई। समय-समय पर चूहों के सफाए के लिए अभियान भी चलाए गए, लेकिन समस्या अगर ज्यों की त्यों है, तो इसका जिम्मेदार कौन है? अगर साफ-सफाई ठीक से की गई होती, प्रबंधन के स्तर पर हर वक्त चौकसी बरती गई होती, तो अस्पताल परिसर में चूहे नहीं पाए जाते। इससे साबित होता है कि अस्पताल परिसर में चूहों के साथ-साथ भ्रष्टाचार भी एक बड़ी समस्या है। इस घटना की वजह से बस व्यवस्था की पोल-पट्टी खुली है। नवजात बच्चियों की मौत के मामले के तूल पकड़ने के बाद साफ-सफाई करने वाली एजंसी का ठेका जरूर खत्म कर दिया गया है, लेकिन पूछा जाना चाहिए कि हर वक्त चौकसी बरतने की जिम्मेदारी किसकी है?

वर्ष 2021 में 7.27 लाख लोगों ने अवसाद के कारण आत्महत्या की। वहीं डिप्रेशन और चिंता से हर साल अर्थव्यवस्था को लगभग एक ट्रिलियन डॉलर का नुकसान सिर्फ कामकाजी क्षमता घटने से हो रहा है। यदि हम यहां पर भारत में स्थिति की बात करें तो निम्हांस द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, भारत में 10.6 प्रतिशत वयस्क मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं। यहां मानसिक स्वास्थ्य विकारों का जीवनकाल प्रसार 13.7 प्रतिशत है। वहीं मानसिक विकारों से ग्रस्त 70 से 92 प्रतिशत लोगों को अच्छा उपचार नहीं मिल पाता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अवसाद से पीड़ित महिलाएं स्वास्थ्य देखभाल पर तीन गुना ज्यादा पैसा खर्च कर रही हैं।

भारत में 10.6 प्रतिशत वयस्क मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित!

सुनील कुमार महला

आज पूरी दुनिया मानसिक स्वास्थ्य संकट से गुजर रही है। आपा-धापी व भागम- भाग भरी इस जिंदगी में हर कोई व्यक्ति कहीं न कहीं तनाव, अवसाद झेल रहा है।कहना ग़लत नहीं होगा कि सामाजिक दबाव, डिजिटल निर्भरता और आर्थिक असुरक्षा ने मानसिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित किया है। युद्ध, प्रवासन और प्राकृतिक आपदाएँ भी कहीं न कहीं मानसिक स्वास्थ्य संकट का कारण हैं। वैश्विक परिदृश्य की यदि हम यहां पर बात करें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहा है।

आलेख में ऊपर जानकारी दे चुका हूं कि अवसाद (डिप्रेशन) और चिंता (एंक्साइटी) सबसे सामान्य समस्याएँ हैं, जो कामकाजी क्षमता और जीवन की गुणवत्ता को बुरी तरह प्रभावित करती हैं। आत्महत्या (सुसाइड) 15-29 वर्ष आयु वर्ग में प्रमुख मृत्यु कारणों में से एक है।जब कोविड-19 महामारी आई तो इसने अकेलेपन, तनाव और अवसाद को और बढ़ा दिया। बहरहाल, दुनियाभर में एक अरब लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। दरअसल, इस संबंध में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने नई रिपोर्ट जारी की है। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में चिंता और अवसाद को सबसे आम बताया है। रिपोर्ट में कहा गया कि इन बीमारियों की वजह से इंसान के जीवन और सेहत के साथ-साथ अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ रहा है।

वर्ष 2021 में 7.27 लाख लोगों ने अवसाद के कारण आत्महत्या की। वहीं डिप्रेशन और चिंता से हर साल अर्थव्यवस्था को लगभग एक ट्रिलियन डॉलर का नुकसान सिर्फ कामकाजी क्षमता घटने से हो रहा है। यदि हम यहां पर भारत में स्थिति की बात करें तो निम्हांस द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, भारत में 10.6 प्रतिशत वयस्क मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं। यहां मानसिक स्वास्थ्य विकारों का जीवनकाल प्रसार 13.7 प्रतिशत है। वहीं मानसिक विकारों से ग्रस्त 70 से 92 प्रतिशत लोगों को अच्छा उपचार नहीं मिल पाता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अवसाद से पीड़ित महिलाएं स्वास्थ्य देखभाल पर तीन गुना ज्यादा पैसा खर्च कर रही हैं। इसमें यह भी देखा गया कि करीब 71 फीसदी महिलाओं में चिंता और अवसाद दोनों मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी। रिपोर्ट में सकारात्मक बदलाव की बात भी कही गई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 71 फीसदी देशों ने मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल करना शुरू कर दिया है। वहीं आपातकालीन हालात में मानसिक सहायता देने की क्षमता तेजी से बढ़ी है। 2020 में यह सुविधा 39 देशों में थी, जो अब बढ़कर 80 फीसदी से अधिक हो गई है। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि दुनिया में

मानसिक स्वास्थ्य संकट की समस्या आज एक बड़ी व गंभीर समस्या बन चुकी है। दूसरे शब्दों में कहें तो आज की तेज-रफ्तार और प्रतिस्पर्धी दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य संकट वैश्विक स्तर पर गंभीर समस्या बन चुका है और यह संकट केवल व्यक्तिगत ही नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक ढांचे को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। डिप्रेशन और एंग्ज़ायटी से हर वर्ष लगभग 26 करोड़ लोग प्रभावित होते हैं। वास्तव में इस मानसिक स्वास्थ्य संकट के प्रमुख कारणों की यदि हम यहां पर बात करें तो इनमें क्रमशः तेज जीवनशैली और प्रतिस्पर्धा, तनाव, नौकरी का दबाव और आर्थिक असुरक्षा, सोशल मीडिया और डिजिटल लत, पारिवारिक /सामाजिक टूटन और अकेलापन तथा युद्ध, प्रवासन, प्राकृतिक आपदाएं आदि को शामिल किया जा सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य संकट के प्रभाव स्वास्थ्य, समाज और अर्थव्यवस्था पर लगातार पड़ रहे हैं। यदि हम यहां पर स्वास्थ्य पर प्रभावों की बात करें तो इससे नींद की समस्या, नशे की लत, शारीरिक रोगों का खतरा बढ़ना, समाज पर प्रभावों की बात करें तो इससे रिश्तों में दरार, अपराध और हिंसा में बढ़ोतरी तथा अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभावों की यदि हम यहां पर बात करें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान सिर्फ उत्पादकता घटने के कारण होता है। मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्व देकर व इस संबंध में जागरूकता अपनाकर मानसिक स्वास्थ्य संकट का समाधान किया जा सकता है। इसके लिए जरूरत इस बात की है कि हम मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और काउंसलिंग को प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचे का हिस्सा बनाने की दिशा में काम करें।

समुदाय और परिवार की भूमिका की बात करें तो सहानुभूति और समर्थन देकर इस समस्या से काफी हद तक निजात पाई जा सकती है। व्यक्तिगत प्रयास जैसे कि ध्यान, योग, व्यायाम, डिजिटल डिटॉक्स, और ज़रूरत पड़ने पर थेरेपी आदि लेना,इस दिशा में मददगार कदम साबित हो सकते हैं। इसके अलावा, कार्यस्थल पहल जैसे कि कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और लचीलापन अन्य कदम हैं। वास्तव में, आज दुनिया को मानसिक स्वास्थ्य को विकल्प नहीं बल्कि प्राथमिकता बनाना होगा। आज मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी भ्रांतियों और कलंक को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाने, स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है। इतना ही नहीं, टीवी, रेडियो और सोशल मीडिया पर जागरूकता अभियान भी इस क्रम में काफी मददगार साबित हो सकते हैं।ग्रामीण क्षेत्रों में टेली-मेडिसिन और ऑनलाइन काउंसलिंग को बढ़ावा देने के साथ ही साथ आज जरूरत इस बात की है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और जिला अस्पतालों में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की नियुक्तियां भी की जाएं। इसके साथ ही, सरकारी अस्पतालों में मुफ़्त या कम खर्च पर उपचार की व्यवस्था की जानी चाहिए। नीतिगत सुधारों की बात करें तो मानसिक स्वास्थ्य नीति और मेंटल हेल्थकेयर एक्ट, 2017 का बेहतर क्रियान्वयन आज की महत्ती आवश्यकता है।मानसिक स्वास्थ्य बजट बढ़ाने की भी जरूरत है। इसके साथ ही कार्यस्थलों पर एम्प्लोई असिस्टेंस प्रोग्राम्स(ईएपी) लागू करने की जरूरत है, ताकि नौकरी से जुड़े तनाव को कम किया जा सके। प्रौद्योगिकी का उपयोग करके मानसिक स्वास्थ्य ऐप्स और हेल्पलाइन (जैसे किरण हेल्पलाइन) का प्रचार किया जाना चाहिए तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ)आधारित चैटबॉट और काउंसलिंग सेवाओं का विस्तार किया जाना चाहिए। छात्रों के लिए परीक्षा तनाव और करियर दबाव को कम करने हेतु परामर्श सेवाएँ, किसानों और श्रमिक वर्ग में आत्महत्या रोकथाम के लिए आर्थिक व मानसिक समर्थन तथा महिलाओं, और बुजुर्गों के लिए विशेष मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए।

इतना ही नहीं, सामाजिक स्तर पर बदलाव लाने के लिए गैर-सरकारी संगठनों और स्वयंसेवी संगठनों को शामिल करके कम्युनिटी सपोर्ट ग्रुप्स तैयार करने चाहिए। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यालयों में तनाव प्रबंधन और माइंडफुलनेस कार्यशालाओं का आयोजन किया जा सकता है।कुल मिलाकर, यह बात कही जा सकती है कि आज हमारे देश भारत में मानसिक स्वास्थ्य संकट हल करने के लिए केवल डॉक्टरों की संख्या बढ़ाना ही काफी नहीं है, बल्कि जागरूकता, शिक्षा, नीति सुधार, समाज की सोच और तकनीक–सभी को मिलाकर एक व्यापक रणनीति अपनानी होगी।

तभी वास्तव में हम इस समस्या से निजात पा सकेंगे और हमारे देश को एक खुशहाल, समृद्ध व विकसित राष्ट्र बना सकेंगे। हमारे छोटे-छोटे प्रयासों और पहल से बहुत कुछ संभव हो सकता है।

हमारी तकनीकी महारत की मिसाल सेमीकंडक्टर

प्रवीण कौशल,
तकनीक और सामाजिक उद्यमी

बीते मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप 'विक्रम-32' सौंपी गई। यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं है, बल्कि भारत की तकनीकी आकांक्षाओं का ऐतिहासिक मोड़ भी है। भारत अब डिजाइन और सॉफ्टवेयर में ही नहीं, बल्कि सेमीकंडक्टर निर्माण की वैश्विक दौड़ में भी नेतृत्व करने को तैयार है।

भारत ने वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में दशकों से बड़ी भूमिका निभाई है, लेकिन मुख्य रूप से उसकी यह भूमिका डिजाइन और सॉफ्टवेयर तैयार करने तक सीमित रही। दुनिया की हर बड़ी चिप कंपनी, इंटेल से लेकर क्वालकॉम तक के डिजाइन केंद्र बेंगलुरु, हैदराबाद और नोएडा में मौजूद हैं। आईआईटी और अन्य शीर्ष संस्थानों से निकले हजारों भारतीय इंजीनियर इनमें अगली पीढ़ी की चिप डिजाइन कर रहे हैं। लेकिन अब तक इनका निर्माण ताइवान, दक्षिण कोरिया या अमेरिका में होता था। विक्रम-32 के निर्माण ने इस कहानी को अब बदल दिया है। भारत अब चिप उत्पादन की पूरी शृंखला में आत्मनिर्भर बनेगा। आप सोच रहे होंगे कि यह कामयाबी इतनी अहम क्यों है? सेमीकंडक्टर डिजिटल युग की रीढ़ हैं। स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा प्रणाली, सुपर कंप्यूटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, यानी एआई सब इन्हीं चिप पर आधारित हैं। जिन देशों का चिपों पर नियंत्रण है, उनकी आर्थिक प्रतिस्पर्द्धा व राष्ट्रीय सुरक्षा में बढ़त है। कोविड काल में चिप की कमी ने यह साफ कर दिया था कि इसके आयात पर निर्भरता कितनी खतरनाक हो सकती है।

हमारी बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए सेमीकंडक्टर-निर्माण में आत्मनिर्भरता विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। भारत के पास तीन बड़ी ताकत

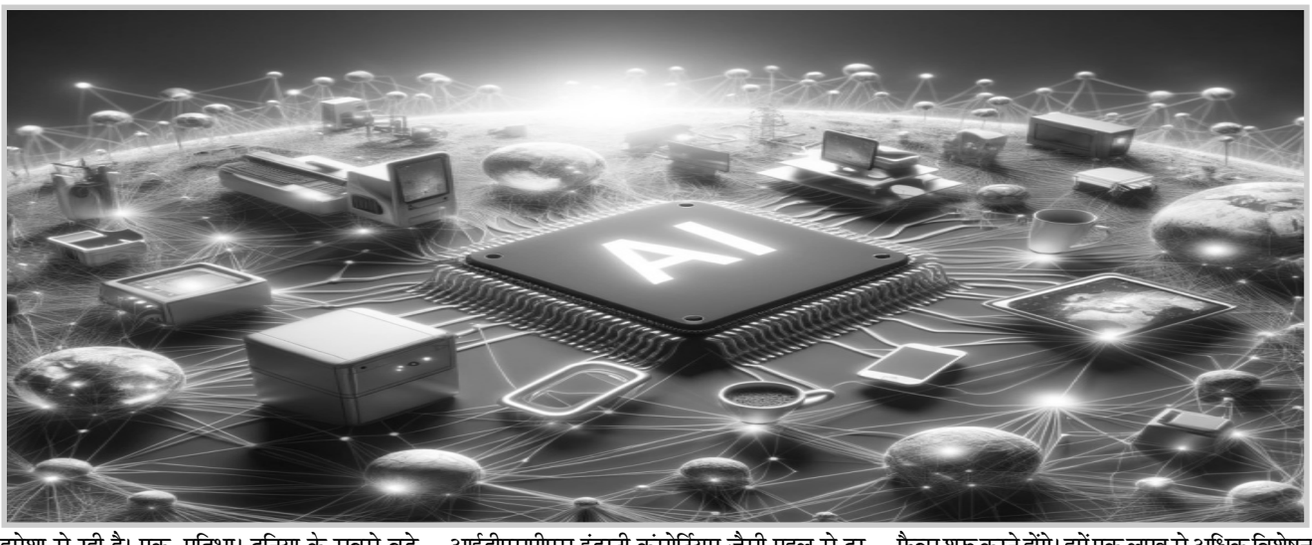

हमेशा से रही है। एक, प्रतिभा। दुनिया के सबसे बड़े 'स्टेम स्नातक' भारत से निकलते हैं। आईआईटी, आईआईएससी और एनआईटी जैसे संस्थान इस क्षेत्र के लिए उत्कृष्ट मानव संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं। दूसरी शक्ति है बाजार। स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहन तक भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स की मांग लगातार बढ़ रही है। और तीसरी ताकत है नीतिगत समर्थन। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत केंद्र और राज्य सरकारें चिप निर्माण, पैकेजिंग और शोध एवं विकास में हजारों करोड़ रुपये का निवेश कर रही हैं।

भारत के सामने दो चुनौती थी- बड़े पैमाने पर निर्माण अवसंरचना और उद्योग-अकादमिक सहयोग। पहली कमी गुजरात और तमिलनाडु जैसे राज्यों में नए फैब्स से पूरी की जा रही है, तो दूसरी कमी को आईडीएसपीएस इंडस्ट्री कंसोर्टियम जैसी पहल से दूर किया जा रहा है, जहां 50 से भी अधिक वैश्विक कंपनियां व शीर्ष शैक्षणिक संस्थान मिलकर काम कर रहे हैं।

सेमीकंडक्टर उद्योग देश में रोजगार सृजन के लिहाज से भी काफी महत्वपूर्ण साबित होने जा रहा, क्योंकि हरेक फैब्रिकेशन प्लांट (फैब्स) हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करते हैं। पैकेजिंग और जांच कंपनियों से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) क्षेत्र और आपूर्ति शृंखला को मजबूती मिलती है। फिर चिप डिजाइन स्टार्टअप नए बौद्धिक संपदा बनाते हैं। सबसे बड़ी बात, अपने सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम से भारत रणनीतिक स्वायत्तता हासिल कर सकेगा। विक्रम-32 पहला कदम है। असली काम अभी बाकी है। इस दशक के अंत तक तीन-चार वाणिज्यिक फैब्स शुरू करने होंगे। हमें एक लाख से अधिक विशेषज्ञ तैयार करने होंगे। पैकेजिंग व सिस्टम इंटीग्रेशन पर विशेष ध्यान देना होगा, जहां भारत सबसे तेजी से आगे बढ़ सकता है। स्टार्टअप को और बढ़ावा देना होगा, ताकि देशी चिप बनाई जा सके।

इस सफलता ने साफ कर दिया है कि भारत अब वैश्विक प्रौद्योगिकी शृंखला में केवल उपभोक्ता नहीं रहेगा, वह निर्माता और नेता भी बनेगा। हमारे पास दृष्टि है, अपार प्रतिभाएं हैं और अब अवसर भी हैं। जरूरत है, तो केवल ठोस क्रियान्वयन की। यह तो निर्विवाद है कि भविष्य की दुनिया, यानी डिजिटल दुनिया सिलिकॉन पर खड़ी होगी और विक्रम-32 के साथ भारत ने पहली पंक्ति में अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5846

1	2	3	■	4	5	6	
7			■	8		■	■
	■	■	9			■	10
■	11	12	■	13		14	
15			16		■	17	
18		■		■	19		■
	■	20		21		■	22
23			■	24			

संकेतः बाएं से दाएं
1. 1949 को इस राज्य को भारत में शामिल किया गया (3)
4. हरियाणा के प्रमुख राजनीतिज्ञ जो भारत के उपप्रधानमंत्री रहें (4)
7. वैश्वांतर दानव की चार पुत्रियों में से एक, शत्रुघ्न सिन्हा द्वारा निर्मित फ्लॉप फिल्म (3)
8. यदि ऐसा न होगा तो (3)
9. निगोड़ा, नाकारा (2)
11.एक बार सांस लेने का समय (2)
13. मथुरा से करीब 20 किमी दूर स्थित वृंदावन का एक गांव जहां नंद रहते थे (4)
15. उत्तरप्रदेश के इस शहर का नाम परिवर्तित कर प्रयागराज कर दिया गया है (5)
17. पैना किनारा, राजा भोज की नगरी (2)
18. जीव-जंतुओं के शरीर के त्वचा में से निकले सूक्ष्म तंतु (2)
19. यह बतौर नायिका पूनम ढिल्लों की पहली फिल्म थी (2)
20. हिलने-डुलने की क्रिया, गति (4)
23. पति-पत्नी का कानूनी रूप से संबंध विच्छेद (2)
24. सूर्यपुत्र कर्ण को यह भी कहते थे (4)

ऊपर से नीचे
1. तीनों काल (भूत, वर्तमान, भविष्य)(3)
2. इसे अंग्रेजी में ब्रिज कहते है (2)
3. पूर्णिमा की रात यह भी कहलाती है (2)
4. फिल्म इंडस्ट्री में मठाधीश अभिनेता जिनका निधन 3 दिसंबर 11 को हुआ था (5)
5. बहादुर, योद्धा, शूर (2)
6. ले आना, उपस्थित करना (2)
10. क्रोधपूर्ण दृष्टि, क्रोध सूचक भ्रूभंग (3)
11. मध्यस्थ, ब्रोकर (3)
12. बहुत बड़ा, महान, सर्वश्रेष्ठ (2)
14. पुराणानुसार यह गांधार देशाधिपति सुबल की पुत्री थी (3)
15. उपासना, आराना, पूजा (उर्दू)(4)
16. यह भारत में मुगल साम्राज्य का संस्थापक था (3)
19. नया, नवीन, नव (3)
20.अधिकार, इख्तियार (2)
21. किस समय, किस वक्त (2)
22. वीर, बहादुर, योद्धा (2)

वर्ग पहेली 5845 का हल

क	त	र	■	का	न	पु	र
ल	ह	क	ना	■	ग	जा	■
आ	■	मी	ना	कु	मा	री	■
ज	ल	■	ना	ल	■	■	सा
औ	ला	द	■	प	ख्वा	व	ज
र	ट	ना	■	ति	ल	क	■
क	■	द	स्ता	■	■	अ	ब
ल	गा	न	■	स	म	त	ल

भविष्य में सेमीकंडक्टर हमारी ताकत

(लुम्बाराम चौधरी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'सेमीकॉन इंडिया-2025' के मंच से भारत ने तकनीक की दुनिया में ऐतिहासिक छलांग लगाई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश की पहली स्वदेशी 'विक्रम 32-बिट माइक्रो प्रोसेसर चिप' प्रधानमंत्री को भेंट की। इसरो के सेमीकंडक्टर लैब में विकसित इस प्रोसेसर का इस्तेमाल विपरीत हालात में रॉकेट लॉन्चिंग में होगा। साफ है, भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगा। यह उपलब्धि केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के आत्मविश्वास और नवाचार का प्रतीक है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व को जाता है, जिसने भारत को उपभोक्ता से निर्माता और अब तकनीकी नेतृत्वकर्ता बनने की राह पर अग्रसर किया है।

सही नीति और निवेश की चुनौती कायम

(गुंजन कुमारी)

सरकार की ओर से सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स में भारत को महाशक्ति बनाने का आह्वान किया गया है। मगर क्या भारत आज निर्यात पर इतना निर्भर नहीं है कि वह अपने बूते आत्मनिर्भर नहीं बन सकता? बेशक, प्रधानमंत्री की मंशा ठीक है और हर कोई यही चाहता है कि भारत दुनिया में सिरमौर बने, लेकिन इसके लिए जरूरी नीति और निवेश की चुनौती बनी हुई है। आज भी अनुसंधान और विकास पर अपने देश में ज्यादा रकम खर्च नहीं की जाती। यह भारत के लिए ठीक नहीं, वह भी तब, जब हम दुनिया भर में अपनी सेवा देने के लिए जाने जाते हैं। अगर वाकई भारत सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भर बनना चाहता है, तो उसे न केवल नीतिगत प्रयास करने होंगे, बल्कि अनुसंधान और विकास में निवेश बढ़ाने होंगे। विडंबना यह है कि सरकार तो सरकार, निजी संस्थाएं भी इस ओर अग्रसर नहीं दिखतीं, जिस कारण हमारी कई परियोजनाएं समय-पूर्व दम तोड़ देती हैं। यह समझना होगा कि बिना नवाचार और अनुसंधान के हम चीन की चुनौती का सामना नहीं कर सकते। सूक्ष्म और लघु उद्योगों को इस दिशा में आगे बढ़ाना हमारे हित में होगा।

आज का राशिफल

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपका रुका हुआ काम अब बनना शुरू हो सकता है। किसी भी कठिन परिस्थिति को अपनी मधुर वाणी और व्यवहार से सामान्य बना सकते हैं। व्यापार में नए संपर्क बन सकते हैं, जिससे भविष्य में लाभ मिलने की संभावना है। जीवनसाथी का भी आपको पूरा सहयोग प्राप्त होगा और संतान से कोई अपेक्षित समाचार सुनने को मिल सकता है।

मिथुन

आज कार्यक्षेत्र में आपके रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं, जिससे सुकून महसूस होगा। लेकिन कामकाज के सिलसिले में यात्रा पर जाते समय सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि, किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना हुआ है।

सिंह

आज नौकरी करने वालों के लिए दिन बेहतरीन रहने वाला है। आपके लिए आमदनी के नए स्रोत बनेंगे जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, कार्यक्षेत्र में अपनी मधुर वाणी और व्यवहार के चलते आपके सम्मान में वृद्धि होगी। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को किसी प्रतियोगिता में विशेष सफलता प्राप्त हो सकती है।

वृष

आज आपके लिए यह दिन सुकून और शांति भरा रहने वाला है। राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को किए गए प्रयासों से अब सफलता प्राप्त हो सकती है। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिलने की संभावना भी बनी हुई है। कार्यक्षेत्र में नए अनुबंधों के चलते आपके पद में वृद्धि हो सकती है, जिससे प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी।

कर्क

आज समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, कोई उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के योग बने हुए हैं। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और आप सभी जिम्मेदारियों को बखूबी पूरा करेंगे। कामकाज के सिलसिले में की गई यात्राएं भी सुखद होंगी और आपको इनसे सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है।

कन्या

आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी और व्यापार के क्षेत्र में आपके द्वारा किए गए प्रयास सफल रहेंगे। इससे आपको अकल्पनीय सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। अगर किसी कानूनी विवाद में फंसे हैं, तो वहां भी फैसला आपके पक्ष में आ सकता है।

तुला

आज यह दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आर्थिक मामलों में अगर लेन-देन से जुड़ी कोई बड़ी समस्या चल रही थी, तो अब वह हल हो सकती है। जिससे आपको सुकून महसूस होगा। धन आगमन के चलते आपके जीवन में सुख-समृद्धि आएगी। व्यापार के मामले में भी लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिलेंगे और परिवार के साथ खुशनुमा समय व्यतीत करेंगे।

धनु

आज कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा और विरोधी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगा और शासन सत्ता पक्ष से मित्रता होने के चलते भी आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामलों में समय अनुकूल रहेगा और आपको कहीं से धन लाभ हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ

आज आपको कुछ बाधाओं और मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यस्थल पर विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है। ऐसा हो सकता है कि सोच-समझकर लिए गए फैसलों और कार्यों में भी आपको हानि उठानी पड़े। ऐसे में धैर्य रखना जरूरी होगा। कार्यक्षेत्र में किसी भी प्रकार के विवाद से दूर रहें और क्रोध से बचें।

वृश्चिक

आज आपकी सेहत सामान्य से कम अच्छी रह सकती है। इसका प्रभाव कामकाज पर भी देखने को मिलेगा और कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्यों को कम समय दे पाएंगे। ऐसे में सेहत पर ध्यान देना जरूरी होगा। इस समय कोई भी जोखिम भरा फैसला लेने से बचें और आर्थिक मामलों में भी सावधानी बरतें, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

मकर

आज आर्थिक मामलों में आपका दिन अच्छा रहने वाला है और सफलता मिलने की भी संभावना है। व्यापार में नई योजनाओं और प्रयासों से लाभ मिल सकता है। सहकर्मियों का भी पूरा सहयोग प्राप्त होगा। लेकिन आपको किसी भी प्रकार के विवाद और झगड़ों से दूर रहना होगा, अन्यथा बात ज्यादा बढ़ सकती है।

मीन

आज कार्यक्षेत्र में अपना काम पूरा करके आप परिवार में संतान के कामों ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। किसी बात को लेकर चिंता भी बनी रह सकती है। ऐसे में आर्थिक मामलों में लेन-देन के वक्त सावधानी बरतनी होगी, अन्यथा आपको बड़े नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार के मामले में यात्रा के दौरान सावधान रहने की जरूरत है।

सहारा इंडिया केसः सुब्रत रॉय की पत्नी और बेटे पर ईडी का एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। सहारा ग्रुप से जुड़े कई बड़े अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सहारा इंडिया के संस्थापक दिवंगत सुब्रत रॉय के परिवार के सदस्यों और कंपनी के कुछ अधिकारियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। यह 1.74 लाख करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है। एनडीटीवी की खबर के मुताबिक ईडी ने कोलकाता में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में अपना आरोप पत्र पेश किया। इसमें रॉय की पत्नी स्वप्ना रॉय और उनके बेटे सुशांतो रॉय के अलावा जेपी वर्मा, अनिल अब्राहम और अन्य आरोपियों का नाम है। ईडी के अनुसार, सुशांतो रॉय पूछताछ में शामिल नहीं हुए थे और लापता हैं। अब उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट प्राप्त करने के प्रयास चल रहे हैं। आरोप पत्र सहारा समूह से जुड़े नौ परिसरों में कई राज्यों में छापेमारी के बाद आया है। ईडी ने कहा था कि सहारा समूह के साथ भूमि और शेयर लेनदेन से संबंधित संस्थाओं पर उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मुंबई में छापे मारे गए। ईडी ने आरोप लगाया है कि सहारा समूह ने करोड़ों जमाकर्ताओं को एक पोंजी स्कीम के जरिए ज्यादा रिटर्न का वादा करके लुभाया लेकिन मैच्योरिटी के बाद भी उनका पैसा वापस नहीं किया गया। कंपनी की अलग-अलग संस्थाओं पर अब 500 से ज्यादा पुलिस मामले दर्ज हैं। सरकार ने जमाकर्ताओं को भरोसा दिलाया था कि उनका पैसा वापस कर दिया जाएगा। आपको बता दें कि सुब्रत रॉय सहारा का 2023 में 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। ईडी ने जांच के तहत सहारा समूह के चेयरमैन के कोर प्रबंधन दल के कार्यकारी निदेशक वैलापरम्पिल अब्राहम और सहारा समूह के लंबे समय से सहयोगी सह संपत्ति च्ब्रोकर' जितेंद्र प्रसाद वर्मा को गिरफ्तार किया है। ये दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं।

ओयो को मिला नया नाम प्रिज्म, आईपीओ से पहले कंपनी ने किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीओ के लिए तैयार ओयो की मूल कंपनी ओरैवल स्टेज का नाम बदलकर प्रिज्म कर दिया गया है। प्रिज्म इसके सभी व्यवसायों के लिए एक प्रमुख इकाई के रूप में काम करेगी और वैश्विक यात्रा प्रौद्योगिकी मंच के विभिन्न ब्रांड को एक साथ लाएगी। ओयो ने शेयरधारकों को भेजे गए एक पत्र में बोर्ड के चेयरमैन और संस्थापक रितेश अग्रवाल ने कहा कि ओरैवल स्टेज अपनी नई कॉरपोरेट पहचान के रूप में प्रिज्म लाइफ के नाम से जानी जाएगी, जिसे संक्षेप में प्रिज्म कहा जाएगा। अग्रवाल ने पत्र में कहा, ''प्रिज्म हमारे सभी विविध व्यवसायों के लिए एक प्रमुख इकाई के रूप में काम करेगी, जिससे हमें अधिक कुशलता से काम करने और अपनी पहचान स्पष्ट रूप से बताने में मदद मिलेगी। यह हमारे विभिन्न ब्रांड को एक साथ जोड़ेगा। अग्रवाल ने कहा कि ओयो ब्रांड बजट और मध्यम स्तर की यात्राओं के लिए काम करता रहेगा। दूसरी ओर प्रिज्म मूल ब्रांड की भूमिका निभाएगा और विविध पारिस्थितिकी तंत्र को एकजुट करेगा, जिसमें प्रीमियम आतिथ्य, विस्तारित-प्रवास आवास, उत्सव स्थल, लक्जरी गेटवे और अनुभवात्मक जीवन अवधारणाएं शामिल हैं। नया कॉरपोरेट नाम प्रिज्म एक वैश्विक सार्वजनिक नामकरण प्रतियोगिता के बाद चुना गया, जिसमें 6,000 से अधिक आवेदन आया था।

10 टुकड़ों में बंटने जा रहा है टाइटन इनटेक का स्टॉक

10 हिस्सों में बंट जाएगा यह स्टॉक, 3 महीने में दिया मोटा रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले 6 महीने से निवेशकों को मोटा रिटर्न देने वाली कंपनी टाइटन इनटेक लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 10 हिस्सों में किया जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट घोषित किया जुका है। एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने कहा है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट के लिए 8 सितंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। जोकि कल है।पिछले एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 33 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 3 महीने में यह स्टॉक 76 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है। 6 महीने से शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 84 प्रतिशत का लाभ मिला है। हालांकि, इस तेजी के बाद भी एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 36 प्रतिशत की गिरावट है। वहीं, 2 साल में कंपनी के शेयरों का भाव 9 प्रतिशत गिरा है। बता दें।

बोनस शेयर दे चुकी है कंपनी

इस कंपनी ने बीते साल निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। कंपनी ने 5 शेयर पर 3 बोनस बांटे थे। जून तिमाही के अंततक कंपनी में प्रमोटर की हिस्सेदारी 16.44 प्रतिशत थी। वहीं, पब्लिक के पास 83.56 प्रतिशत हिस्सा था। इससे पहले मार्च तिमाही में प्रमोटर के पास 16.60 प्रतिशत और पब्लिक के पास कंपनी का 83.40 प्रतिशत हिस्सा था।

11 सितंबर से खुल रहा एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी का आईपीओ

कंपनी का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी।
अगर आप किसी आईपीओ में दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। आने वाले सप्ताह में कई कंपनियों के इश्यू निवेश के लिए ओपन हो रहे हैं। इनमें से एक - एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी का आईपीओ भी है। एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी का आईपीओ निवेश के लिए 11 सितंबर से खुल रहा है। निवेशक इस इश्यू में 15 सितंबर, 2025 तक पैसे लगा सकते हैं। आईपीओ का प्राइस बैंड 133 रुपये से 140 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर अभी से ही 100 प्रतिशत प्रीमियम पर पहुंच गए हैं। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 150 के प्रीमियम पर पहुंच गए हैं। इसका मतलब है कि कंपनी के शेयर लिस्टिंग के समय अपने आईपीओ प्राइस बैंड 140 रुपये से 107.14 प्रतिशत तक का रिटर्न दे सकता है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग बीएसई पर होगी। 18 सितंबर को इसकी लिस्टिंग संभव है। रोलिंग स्टॉक के कलपुर्जे बनाने वाली चेन्नई स्थित कंपनी एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी ने 91.10 करोड़ रुपये के एसएमई आईपीओ की घोषणा की है, जिसके शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। कंपनी इंटीग्रल कोच फैक्ट्री और अन्य कोच फैक्ट्रियों जैसी रेलवे प्रोडक्शन यूनिट्स के जरिए से रोलिंग स्टॉक के लिए कलपुर्जे बनाती है। यह भारतीय रेलवे के लिए टर्नकी इंटीरियर फर्निशिंग परियोजनाओं पर भी काम करती है और एयरोस्पेस तथा रक्षा क्षेत्रों को उच्च-परिशुद्धता वाले कलपुर्जे की आपूर्ति करती है।

अब स्मार्ट, तेज़ और पूरी सुविधा के साथ धुलेंगे कपड़े

सैमसंग ने लॉन्च की वॉशर ड्रायर की नई बीस्पोक एआई रेंज

गुरुग्राम, एजेंसी।
भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज अपने नए बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर (12 किलोग्राम वॉश / 7 किलोग्राम ड्राय) को लॉन्च किया है। इसे आधुनिक भारतीय परिवारों के लिए डिज़ाइन किया गया है। सैमसंग का नया 12 किलोग्राम वॉशर ड्रायर कॉम्बो कपड़े धोने और सुखाने का काम एक ही मशीन में करता है। इसमें हर मौसम में कपड़े धोने की सुविधा है और कपड़ों की देखभाल के लिए स्मार्ट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। यह बड़े परिवारों और छोटे शहरी घरों के लिए जगह बचाने वाला शानदार उपकरण है।

सैमसंग इंडिया द्वारा हाल ही में किए गए एक उपभोक्ता अध्ययन के अनुसार वॉशर ड्रायर की मांग बढ़ रही है क्योंकि यह कपड़ों को धूल और कीटाणुओं से बचाता है और हर मौसम में कपड़े सुखाने की मेहनत से छुटकारा दिलाता है। यह बदलाव उन उपकरणों की बढ़ती आवश्यकता को दर्शाता है जो प्रदर्शन और सुविधा दोनों चाहते हैं। यह उन परिवारों के लिए खास है जहां ज्यादा और बड़े कपड़े धोये जाते हैं और जिनके पास सुखाने की जगह कम है। सैमसंग का बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर रेंज इन जरूरतों को पूरा करता है, जो कपड़े धोने और सुखाने को आसान, किफायती और कपड़ों की देखभाल करने वाला बनाती है।

सैमसंग का नया इंटीग्रेटेड वाशर ड्रायर कॉम्बो नो-लोड ट्रांसफर फीचर के साथ आता है जोकि कपड़ों को मशीन से सीधे सुखाने की रस्सी पर ले जाने की सुविधा देता है।

यह मशीन गर्मी, सर्दी या बारिश, हर मौसम में कपड़े धोने और सुखाने का काम आसानी से करती है। इसका एआई वॉश फीचर में एडवांस्ड फाइव-स्टेप सेंसिंग का इस्तेमाल किया गया है जोकि कपड़े के वजन, कोमलता और गंदगी को समझकर पानी और डिटर्जेंट की सही मात्रा का उपयोग करता है, जिससे कपड़े अच्छे से साफ होते हैं और पानी-डिटर्जेंट की बर्बादी कम होती है। ऑटो डिस्पेंस फीचर हर धुलाई में सही मात्रा में डिटर्जेंट और सॉफ्टनर अपने आप डालता है, जिससे बार-बार डिटर्जेंट डालने की जरूरत नहीं पड़ती।

अब दुनिया देखेगी हमारी अर्थव्यवस्था का चमत्कार

स्वामीनॉमिक्सः मंदी का डर... देश की इकोनॉमिक ग्रोथ चौंका रही

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हाल के विकास के आंकड़े उम्मीदों से बेहतर रहे हैं। अर्थशास्त्रियों की चिंताओं और अमेरिका से संभावित व्यापार प्रभावों के बावजूद, भारत की जीडीपी लगातार बढ़ रही है। वैश्विक अनिश्चितता के बीच देश का लचीलापन स्पष्ट है।

नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वित्तीय वर्ष में निजी अंतिम उपभोग व्यय में 7.2 प्रतिशत का सुधार हुआ है। इसलिए कोई संकट नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार विश्लेषकों को आश्चर्यचकित कर रही है। जनवरी-मार्च तिमाही में यह 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह उन लोगों के विचारों के विपरीत है जो सोच रहे थे कि मंदी आने वाली है। अगली तिमाही, अप्रैल-जून में, भारत और भी तेजी से 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

ट्रंप ने जता दिए थे इरादे

नवंबर 2024 में जब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए थे, तभी से उन्होंने भारत सहित सभी व्यापार भागीदारों पर उच्च शुल्क लगाने का इरादा स्पष्ट कर दिया। विश्व बैंक और आईएमएफ ने दुनिया और भारत के लिए अपने विकास अनुमानों में कटौती की। लेकिन, निराशा में धीमा होने के बजाय, भारत ने गति पकड़ी है।

अरविंद सुब्रमण्यन, शंकर आचार्य, रघुराम राजन और हिमांशु जैसे प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री भारत की विकास संभावनाओं के बारे में निराशावादी रहे हैं। उन्होंने इसकी समस्याओं को संरचनात्मक बताया है, न कि चक्रीय या अस्थायी। निराशावादियों को फिर से सोचने की जरूरत है। भारत में वास्तव में गंभीर समस्याएं हैं, लेकिन इसमें मजबूत सकारात्मक विशेषताएं भी हैं जिन्होंने इसे अप्रत्याशित लचीलापन दिया है।

तेजी से बढ़ी जीडीपी

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार सुब्रमण्यन ने जनवरी में एक इंटरव्यू में कहा था कि टैक्स कम करने से अर्थव्यवस्था ठीक नहीं होगी। उन्होंने ऐसा इसलिए कहा था क्योंकि भारत की जीडीपी विकास दर कुछ महीनों से लगातार गिर रही थी। सितंबर-दिसंबर 2023 में ये 9.5 प्रतिशत थी, लेकिन फिर अगले तीन महीनों में ये 8.4 प्रतिशत, 6.5 प्रतिशत और 5.6 प्रतिशत हो गई। सुब्रमण्यन का मानना था कि ये मंदी कुछ समय के लिए नहीं है।

जीएसटी ने राज्यों को किया कमजोर दिग्गज अर्थशास्त्री ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) अरविंद सुब्रमणियन कभी जीएसटी के प्रबल समर्थक थे। यू-टर्न लेते हुए वह अब इसके खिलाफ बोलने लगे हैं। उनका मानना है कि इसने राज्यों की आर्थिक आजादी को कम किया है। यही नहीं, इससे सहकारी संघवाद भी कमजोर हो रहा है। दिग्गज अर्थशास्त्री ने यह बात ऐसे समय कही है जब पेट्रोलियम को जीएसटी के दायरे में लाने की बात पर फिर से बहस छिड़ गई है।

सुब्रमणियन ने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा कि पिछले पांच सालों में जीएसटी से राज्यों की आर्थिक आजादी कम हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि रेवेन्यू अच्छा रहेगा और केंद्र सरकार भी सहकारी संघवाद की भावना से काम करेगी। लेकिन, उन्हें डर है कि राजस्व और सहकारी संघवाद की भावना पहले जितनी मजबूत नहीं रही है।

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार ने यह भी कहा कि पेट्रोलियम को जीएसटी के तहत लाने के लिए राज्यों को मनाना अब मुश्किल होगा। पेट्रोलियम पर टैक्स से राज्यों को बहुत पैसा मिलता है। अगर इसे जीएसटी में शामिल कर लिया जाता है तो राज्यों को नुकसान होगा। हाल ही में जीएसटी में बदलाव किए गए हैं। 28 प्रतिशत का स्लैब हटा दिया गया है। इससे टैक्स सिस्टम आसान हो गया है।

सैमसंग ने लॉन्च किया स्टाइलिश गैलेक्सी ए17 5जी

गुरुग्राम, एजेंसी।
सैमसंग, भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने अपना सबसे किफायती गैलेक्सी ए सीरीज एआई स्मार्टफोन गैलेक्सी ए17 5जी लॉन्च किया। यह 7.5 एमएम पतला और अपने सेगमेंट का सबसे स्लीक फोन है। इसका वजन सिर्फ 192 ग्राम है, जिससे इसे पकड़ना और इस्तेमाल करना आसान है। गैलेक्सी ए17 5जी, गैलेक्सी ए16 5जी की सफलता को आगे बढ़ाता है, जो भारत में सैमसंग के सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन्स में से एक है।

गैलेक्सी ए17 5जी ने भारत में ज्यादा से ज्यादा दर्शकों के लिए फ्लैगशिप इनोवेशन लाने की गैलेक्सी सीरीज की विरासत को आगे बढ़ाया है। गैलेक्सी ए17 5जी के साथ, उपभोक्ताओं को स्टाइलिश और स्लीम डिज़ाइन, भरोसेमंद प्रदर्शन, और किफायती कीमत पर स्मार्ट एआई फीचर्स मिलते हैं। गैलेक्सी ए17 5जी में सेगमेंट के सर्वश्रेष्ठ एआई फीचर्स, डिस्प्ले, कैमरा, सुरक्षा फीचर्स, कॉलिंग अनुभव और ओएस अपग्रेड्स हैं, जो इसे त्योहारी सीजन के लिए सैमसंग के

सबसे बढ़िया ऑफर्स में से एक बनाते हैं। राजू पुल्लन, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, एमएक्स बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा, गैलेक्सी सीरीज हमारा सबसे पसंदीदा स्मार्टफोन है क्योंकि यह यूजर्स को किफायती दामों में शानदार फीचर्स देता है। गैलेक्सी ए17 5जी हमारा सबसे किफायती एआई स्मार्टफोन है, जिसमें सर्कल टू सर्च और जेमिनी लाइव जैसे लोकप्रिय एआई फीचर्स हैं। इसमें ऑन-डिवाइस वॉयस मेल भी है, जो भारतीय इंजीनियर्स द्वारा बनाया गया च्मेक फॉर इंडिया' फीचर है और कॉलिंग को बेहतर बनाता है। गैलेक्सी ए17 5जी हमारा खास त्योहारी ऑफर है, और हमें यकीन है कि यह इस साल के अंत तक 100 मिलियन खुश गैलेक्सी सीरीज ग्राहक बनाने में मदद करेगा। गैलेक्सी ए17 5जी में गूगल के साथ सर्कल टू सर्च फीचर है, जो गैलेक्सी इकोसिस्टम में और अधिक डिवाइसेज तक मोबाइल एआई को सभी के लिए सुलभ बनाता है।

सैमसंग-गूगल सहयोग पर आधारित, सर्कल टू सर्च गैलेक्सी यूजर्स को इमेज, टेक्स्ट और म्यूजिक को आसानी से सर्च करने का अनुभव प्रदान करता है। इसके अलावा, यह जेमिनी लाइव के साथ नया एआई अनुभव भी देता है, इसकी मदद से गैलेक्सी यूजर्स एआई के साथ रीयल-टाइम विजुअल बातचीत कर सकते हैं। एआई-पावर्ड असिस्टेंस के माध्यम से, गैलेक्सी ए17 5जी यूजर्स रोजमर्रा के कार्यों को आसान बनाने वाली बातचीत में अधिक स्वाभाविक रूप से शामिल हो सकते हैं।

शानदार नो-शेक कैमरा और सुपर एमोलेड डिस्प्ले

गैलेक्सी ए17 5जी में एक वर्सेटाइल ट्रिपल-लेंस कैमरा सिस्टम है, जिसमें ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइजेशन के साथ 50एमपी का मुख्य कैमरा है, जिसे नो-शेक कैम के नाम से जाना जाता है। यह तकनीक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी ब्लर-फ्री वीडियो और फोटो कैप्चर करने में मदद करती है। इसके साथ 5एमपी का अल्ट्रा-वाइड लेंस और मैक्रो लेंस हैं, जो खूबसूरत लैंडस्केप से लेकर एकदम डिटेल्ड क्लोज-अप तक आसानी से स्विच करने की सुविधा देते हैं।

केंद्र सरकार के नए मानकः बर्तनों से फर्नीचर तक होंगे दिव्यांगों के अनुकूल

नई दिल्ली, एजेंसी।
रसोई के बर्तन, फर्नीचर और सौंदर्य प्रसाधनों जैसे रोजमर्रा के उत्पाद अब दिव्यांगजनों के उपयोग के अनुकूल बनेंगे। केंद्र सरकार ने इन्हें सुलभ बनाने के मानकों का मसौदा जारी किया है। इसमें दिव्यांगों तक उत्पादों की निर्बाध पहुंच के लिए सार्वभौमिक डिजाइन, ब्रेल, स्पर्शनीय विशेषताएं और स्पष्ट लेबलिंग जैसे नियमों का प्रस्ताव किया है।

दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर यह मसौदा तैयार किया है। यह विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त पीओयूआर दृष्टिकोण पर आधारित है। जिसके मायने सभी के लिए समान उपयोग, सरल और सहज डिजाइन, न्यूनतम शारीरिक प्रयास व व्हीलचेयर या गतिशीलता-सहायता उपयोगकर्ताओं के लिए पर्याप्त स्थान से हैं। यह मसौदा दैनिक इस्तेमाल की 20 प्रमुख श्रेणियों में

सुगम्यता नियम निर्धारित करता है। उत्पाद मान्यता प्राप्त निकायों की ओर से अनिवार्य सुगम्यता परीक्षण के अधीन होंगे। इन्हें ए से एएए स्तर तक की रेटिंग दी जाएगी और उत्पाद पर स्पष्ट चिह्न प्रदर्शित होंगे। निर्माताओं को सुगम्य डिजाइनों के लिए जीएसटी प्रोत्साहन का लाभ मिल सकता है। उल्लंघन पर जुर्माना, उत्पाद वापसी हो सकती है।

एटीएम व पीओएस भी होंगे सुगम : दिशा-निर्देशों के अनुसार, एटीएम और पीओएस उपकरण भी ऐसे हों, जिसमें स्पर्श कर मुद्रा की पहचान हो सके। स्क्रीन-रीडर-संगत यूपीआई इंटरफेस, एक-हाथ से इस्तेमाल के लिए सुलभ यात्रा फीचर होने चाहिए।

जॉब इंटरव्यू से पहले ये होमवर्क करना न भूलें

जब आप किसी जॉब इंटरव्यू के लिए जाते हैं, तो इसके लिए होमवर्क करना बेहद जरूरी है, क्योंकि एक अच्छा होमवर्क आपके भीतर कॉन्फिडेंस पैदा करता है और आप सफलता हासिल करते हैं।

फर्स्ट इम्प्रेशन

इंटरव्यू के लिए फर्स्ट इम्प्रेशन बहुत मायने रखता है। इसलिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जिसमें आप ज्यादा स्मार्ट दिखते हों। इससे लोगों का ध्यान आपकी ओर जाएगा। यह भी ध्यान रखें कि उस कपड़े में आप खुद को कंफर्ट महसूस करें। आपके कपड़े का कलर सौम्य और प्रभावशाली हो। इसके लिए आप काला, सफेद, ग्रे लाइट या डार्क शेड के अलावा भूरा, ब्लू और मटमैले कलर के कपड़ों का कॉम्बिनेशन पहन सकते हैं।

स्ट्रांग परफ्यूम न लगाएं

पुरुषों के लिए यह जरूरी है कि वे क्लीन शेव हों। किसी वजह से ऐसा नहीं कर सकते, तो दाढ़ी ट्रिम होनी चाहिए, बालों को स्टाइलिश रखें। वह महिलाओं के लए जरूरी है कि वे लाइट मेकअप करें। बाल बंधे हों तो ज्यादा अच्छा है। एक बात का ध्यान दें कि लंबे नाखून पुरुष और महला दोनों के ही नहीं होने चाहिए। यदि परफ्यूम है तो वह स्ट्रांग नहीं होना चाहिए, आपके जूते अच्छी हालत में होने चाहिए, जूते आवाज न करें।

बाएं हाथ में रखें फाइल

मीटिंग या इंटरव्यू में हमेशा समय से पहले पहुंचें और फ्रंट ऑफिस को अपने आने का कारण बताएं। जब तक आपको अंदर न बुलाया जाए, शांति से अपनी जगह पर बैठे रहें। बुलाने पर तेजी से कदम बढ़ाते हुए जाएं, अपने बैग या फाइल को ठीक तरीके से हैंडल करें। इसे बांए हाथ में पकड़ना अच्छा होगा क्योंकि दाहिने से शेक हैंड्स करना होता है। अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखें।

हाथ मिलाना बाध्यता नहीं

यह जरूरी होता है कि आप सामने वाले से हाथ मिलाएं, लेकिन इसे बाध्यता नहीं समझना चाहिए, टेबल के ऊपर हाथ न रखें। अगर आप पुरुष हैं और महिला से मुलाकात हो रही है, तो आप खुद हाथ आगे न बढ़ाएं, इंतजार करें।

पॉजटिव एहसास कराएं

इंटरव्यू समाप्त होने पर सामने वाले को धन्यवाद कहें और उसे इस बात का एहसास करवाएं कि आप पॉजिटिव रिस्पांस सुनने के लिए तैयार हैं। जाते वक्त यह ध्यान में रखें कि आपके अंदर आने के दौरान गेट खुला था या बंद, गेट जिस अवस्था में था, उसी अवस्था में करके ही बाहर निकलें।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई का मौका देती है ये स्कॉलरशिप

विदेश में पढ़ाई करना बेहद ही खर्चीला होता है, जिसकी वजह से हर कोई वहां पढ़ाई नहीं कर सकता है। इसलिए स्कॉलरशिप ही एकमात्र वो जरिया होती हैं, जिनके जरिए आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए भी विदेश में पढ़ने का रास्ता खुलता है।

दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटीज की जब भी बात होती है तो हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का जिक्र जरूर होता है। अमेरिका के मैसाचुसेट्स में मौजूद ये यूनिवर्सिटी अपने कोर्सेज के लिए दुनियाभर में फेमस है। हर साल बड़ी संख्या में छात्र यहां पढ़ने के लिए अप्लाई करते हैं, लेकिन सिर्फ चुनिंदा लोगों को ही दाखिला मिल पाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की फीस भी बहुत ज्यादा है। अगर भारतीय रुपये में बात करें तो यहां की फीस लाखों में है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में औसतन फीस 83 हजार डॉलर (लगभग 68 लाख रुपये) है। यही वजह है कि यहां ज्यादातर वही लोग पढ़ पाते हैं, जिनके पास अच्छा खासा पैसा है। हालांकि, इसका मतलब ये बिल्कुल भी नहीं है कि आम आदमी यहां पढ़ाई नहीं कर सकता है। हार्वर्ड उन्हें भी एक समान मौका देता है। यूनिवर्सिटी में कई सारी स्कॉलरशिप का भी ऑप्शन है, जो यहां पढ़ने के लिए दी जाती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों को कौन सी स्कॉलरशिप मिलती हैं।

बौस्टनी एमबीए हार्वर्ड स्कॉलरशिप

अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लिए ये स्कॉलरशिप उन छात्रों को दी जाती है, जिनका पढ़ाई का बैकग्राउंड काफी ज्यादा मजबूत है। हार्वर्ड एमबीए प्रोग्राम में एडमिशन होने के बाद ही छात्र इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं। जिन छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा, उन्हें इंटरव्यू देना होगा। इस स्कॉलरशिप के तहत छात्रों की 75 फीसदी ट्यूशन फीस कवर हो जाती है। इसके जरिए रहने और यात्रा का भी खर्च कवर होता है।

होरेस डब्ल्यू गोल्डस्मिथ फेलोशिप

इस स्कॉलरशिप के लिए छात्र का बैचलर डिग्री पूरा किया होना जरूरी है। उसके पास वर्क एक्सपीरियंस भी होना चाहिए। उम्मीदवार ने अगर किसी नॉन प्रॉफिट संस्था में फुल-टाइम लीडरशिप की भूमिका में काम किया होगा तो उसे स्कॉलरशिप के लिए एलिजिबिल माना जाएगा। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू होता है। हार्वर्ड में एमबीए की पढ़ाई कर रहे फर्स्ट ईयर के 7 से 10 छात्रों को 10 हजार डॉलर स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं। एमबीए के लिए अप्लाई करते समय ही उम्मीदवार की फाइल स्कॉलरशिप के लिए पहुंच जाती है। फिर उसकी क्वालिफिकेशन के आधार पर स्कॉलरशिप मिलती है।

रॉबर्ट एस. कपलान (एमबीए 1983) लाइफ साइंसेज फेलोशिप

हार्वर्ड में पढ़ने के लिए इस स्कॉलरशिप को उन्हीं उम्मीदवारों को दिया जाता है, जिन्होंने बैचलर डिग्री पूरी की है। उनके काम वर्क एक्सपीरियंस है और साथ ही साथ लाइफ साइंसेज क्षेत्र में बेहतरीन योग्यता है। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू लिया जाता है। एमबीए के लिए अप्लाई करते समय उम्मीदवार के नाम पर स्वत: ही स्कॉलरशिप के लिए विचार किया जाता है। ये स्कॉलरशिप 10 एमबीए स्टूडेंट्स को मिलती हैं। दो साल में 20 हजार डॉलर छात्र को स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं।

आगा खान स्कॉलरशिप

अगर किसी स्टूडेंटस की पढ़ाई का बेहतरीन इतिहास रहा है, तो वह इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकता है। ये स्कॉलरशिप विकासशील देशों के उन छात्रों को प्रदान की जाती है, जिन्हें वास्तव में पढ़ाई के लिए वित्तीय सहायता की जरूरत होती है। इस स्कॉलरशिप को पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई के लिए दिया जाता है। अगर किसी छात्र के पास प्रोफेशनल एक्सपीरियंस है। साथ ही वह विविधि गतिविधियों में भाग लेता रहा है तो उसे स्कॉलरशिप के लिए योग्य माना जाएगा। ये स्कॉलरशिप मास्टर स्तर के कोर्सेज की पूरी अवधि के लिए प्रदान की जाती है और पीएचडी छात्रों को इसे केवल पहले दो वर्षों के लिए दिया जाता है। इसके लिए आगा खान फाउंडेशन की वेबसाइट पर अप्लाई करना होता है।

पसंदीदा जॉब पाने के लिए बनाएं दमदार रिज्यूमे, सिलेक्शन होगा पक्का

जॉब पाने से लेकर इंटरव्यू तक पहुंचने के सफर में रिज्यूमे आपकी काफी मदद करता है। जॉब और इंटरव्यू के लिए सभी को एक बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे की दरकार होती है। आइए जानते हैं आप बेहतरीन रिज्यूमे कैसे बना सकते हैं।

अगर आप भी अपनी पसंदीदा जॉब पाना चाहते हैं, तो इसमें रिज्यूमे बहुत अहम भूमिका निभाती है। जितना आपका रिज्यूमे शानदार होगा, उतना ही आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। जॉब पाने से लेकर इंटरव्यू तक पहुंचने के सफर में रिज्यूमे आपकी काफी मदद करता है। जॉब और इंटरव्यू के लिए सभी को एक बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे की दरकार होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप एक बेहतरीन रिज्यूमे कैसे बना सकते हैं।

खुद से बनाएं रिज्यूमे

अधिकतर देखने को मिलता है कि ज्यादातर लोग रिज्यूमे बनवाने के लिए साइबर कैफे या ग्राफिक डिजाइनर के भरोसे रहते हैं। लेकिन बता दें कि आप स्मार्ट वर्क के तहत खुद भी घर बैठे अपना रिज्यूमे बनाकर तैयार कर सकते हैं। रिज्यूमे बनाने के लिए आपके पास स्मार्टफोन या लैपटॉप होना जरूरी है। इससे आप शानदार रिज्यूमे बनाकर तैयार कर सकती हैं। इससे आपका समय और पैसे दोनों बचेंगे।

कैसे बनाएं रिज्यूमे

बता दें कि अधिकतर लोग सोचते हैं कि अच्छा रिज्यूमे बनाने के लिए क्या टिप्स फॉलो करना चाहिए। लेकिन अब गूगल और इंटरनेट ने इस काम को बेहद आसान कर दिया है। अगर आप गूगल पर जाकर रिज्यूमे सर्च करते हैं, तो आपके सामने ऐसी तमाम वेबसाइट आ जाएंगी। जिनमें रिज्यूमे बनाने की विधि और उसके लेटेस्ट फॉर्मेट आ जाएंगे। सबसे पहले रिज्यूमे में आपको अपना व्यक्तिगत परिचय, नाम, संपर्क और पते की डिटेल्स देना होता है। फिर यह बताएं कि आप जॉब के लिए क्यों अप्लाई कर रहे हैं और इसके बाद क्वालिफिकेशन व एक्सपीरियंस के बारे में जानकारी दें। आखिर में आपको यह बताना होता है कि आपमें ऐसी क्या खासियत है, जिसके कारण आप उस जॉब के लिए अप्लाई कर रहे हैं। साथ ही आप रिज्यूमे में अपनी पॉजिटिव चीजें बताएं कि आप किस तरह से उस जॉब के लिए परफेक्ट हैं।

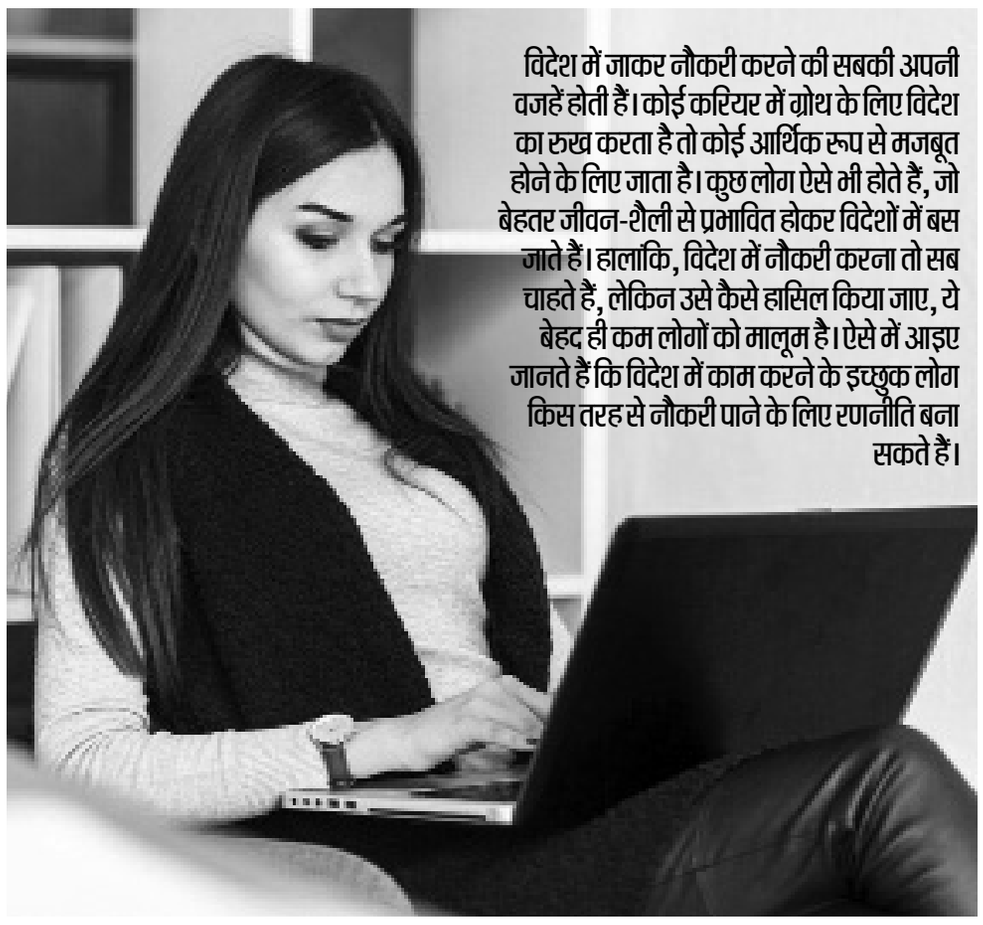

विदेश में जाकर नौकरी करने की सबकी अपनी वजहें होती हैं। कोई करियर में ग्रोथ के लिए विदेश का रुख करता है तो कोई आर्थिक रूप से मजबूत होने के लिए जाता है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो बेहतर जीवन-शैली से प्रभावित होकर विदेशों में बस जाते हैं। हालांकि, विदेश में नौकरी करना तो सब चाहते हैं, लेकिन उसे कैसे हासिल किया जाए, ये बेहद ही कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आइए जानते हैं कि विदेश में काम करने के इच्छुक लोग किस तरह से नौकरी पाने के लिए रणनीति बना सकते हैं।

विदेश में करनी है नौकरी, पाना चाहते हैं मोटी सैलरी?

बस करने होंगे ये जरूरी काम

भारतीयों के लिए विदेश में नौकरी करना फायदे का सौदा साबित हो सकता है। विदेशी मुद्रा के ज्यादा मूल्य होने की वजह से विदेश में काम करना आर्थिक रूप से काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि लोगों को अलग-अलग संस्कृतियों को सीखने का मौका मिलता है और वे नेटवर्किंग भी कर पाते हैं। इसकी वजह से किसी भी शख्स को ग्लोबल जॉब मार्केट में नौकरी ढूंढने में फायदा मिलता है, जो अच्छे करियर की नींव रखने का भी काम करता है।

विदेश में नौकरी कैसे पाएं?

सही देश का चुनाव- जो लोग विदेश में नौकरी करना चाहते हैं, उन्हें सबसे पहले सही देश का चुनाव करना होगा। काम करने के लिए देश चुनते समय वहां होने वाले खर्चे, जीवनशैली, सैलरी और संस्कृति के आधार पर फैसला लेना चाहिए। गलत देश का चुनाव आपकी जेब पर तो भारी पड़ेगा ही, साथ ही साथ आपको तनाव भी दे जाएगा।

नियम कायदे को समझना

जिस देश में काम करने की योजना बनाई जा रही है, उस देश के नियमों-कायदों को समझना जरूरी होता है। इसमें वीजा नीतियां और श्रम कानून शामिल हैं। कुछ कंपनियां नौकरी के साथ वीजा भी मुहैया करती हैं, जबकि कुछ ऐसा नहीं करतीं, इसलिए इस मुद्दे पर पहले से रिसर्च करना जरूरी है।

बेहतरीन रिज्यूम तैयार करना

उम्मीदवारों को अपना बायोडाटा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के अनुसार डिजाइन करना चाहिए। नौकरी पाने की संभावना बढ़ाने के लिए यह एप्लिकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (एटीएस) के अनुकूल होना चाहिए। बायोडाटा में उन सर्टिफिकेट्स को भी शामिल किया जा सकता है, जिसे आपने हासिल किया है।

कनेक्शन बनाना

लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म पर कनेक्शन बनाने से नौकरियों के लिए रेफरल मिलना आसान हो जाता है। विदेश में नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अपने सेक्टर से जुड़े वर्कर्स के साथ नेटवर्क बनाना चाहिए, जो पहले से ही विदेश में काम कर रहे हैं।

हायरिंग एजेंसी

विदेश में नौकरी के लिए उन कंसल्टिंग एजेंसियों का भी सहारा लिया जा सकता है, जो लोगों की नौकरियां लगवाती हैं। हालांकि, इस दौरान सावधानी बरतना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि कुछ एजेंसियां झूठे वायदे कर पैसे की ठगी कर लेती हैं।

कहां अप्लाई करें

प्रोफेशनल्स वर्कर्स को लिंक्डइन, मॉन्स्टर डॉट कॉट जैसे प्लेटफॉर्म पर वैकेंसी की डिटेल्स मिल जाती हैं। यहां से नौकरियों के लिए अप्लाई किया जा सकता है। हालांकि, सेमी-प्रोफेनल्स वर्कर्स हायरिंग एजेंसियों की मदद ले सकते हैं।

आर्चरीः

भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने रचा इतिहास

विश्व चैंपियनशिप में पहली बार जीता स्वर्ण पदक

गवांग्जू, एजेंसी। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया और खिताबी मुकाबले में फ्रांस को 235-233 के अंतर से हराया। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने इतिहास रच दिया है। भारतीय टीम ने विश्व चैंपियनशिप में रविवार को फ्रांस को हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया और खिताबी मुकाबले में फ्रांस को 235-233 के अंतर से हराया। भारत ने फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और तुर्किये पर भी प्रभावशाली जीत दर्ज की थी।

ज्योति-ऋषभ की मिश्रित टीम को मिला रजत पदक

इससे पहले, ज्योति सुरेखा वेनम और ऋषभ यादव की मिश्रित टीम जोड़ी को फाइनल में नीदरलैंड्स के खिलाफ 155-157 से हार का सामना कर रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। लेकिन 23 वर्षीय ऋषभ ने इसके बाद सैनी और प्रथमेश के साथ मिलकर पुरुष कम्पाउंड टीम का खिताब अपने नाम किया। तीसरे सेट के बाद स्कोर 176-176 पर बराबर था, लेकिन दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने निर्णायक दौर में 59 अंक बटोरी, जबकि फ्रांस 57 अंक ही हासिल कर सकी। इस तरह भारत ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

बीसीसीआई ने 5 सालों में की रिकॉर्डतोड़ कमाई, पिछले साल कमाए 4,193 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को मौजूदा समय में विश्व का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड कहा जाता है. दुनिया का कोई भी क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई से ज्यादा पैसा नहीं कमाता है. यही वजह है कि भारतीय क्रिकेटरों को भी दुनियाभर में सबसे ज्यादा सैलरी मिलती है. बीसीसीआई की इनकम को लेकर एक ताजा रिपोर्ट सामने आई है, जो वाकई हैरान करने वाली है. रिपोर्ट में बताया गया है कि बीसीसीआई ने पिछले पांच सालों में बंपर कमाई की है. बीसीसीआई ने पिछले 5 सालों में 14,627 करोड़ रुपये कमाए हैं. इनमें से 4,193 करोड़ रुपये पिछले वित्तीय वर्ष में ही आए हैं. इस प्रकार बीसीसीआई का बैंक बैलेंस 20,686 करोड़ रुपये हो गया है. एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है. चक्रिकबज' की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य इकाइयों को सभी बकाया राशि का भुगतान करने के बाद भी, सामान्य कोष में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई और 2019 में यह कोष 3,906 करोड़ रुपये का था, जो 2024 में बढ़कर लगभग दोगुना यानी 7,988 करोड़ रुपये हो गया है. ये आंकड़े राज्य एसोसिएशन के साथ शेयर किए गए हैं।

बिहार के उमेश विक्रम ने पूरी दुनिया में लहराया परचम...

पैरा बैडमिंटन में बन गए वर्ल्ड नंबर 1

जमशेदपुर, एजेंसी। भारत के लिए पैरा बैडमिंटन में बड़ी खबर है। बिहार के सीतामढ़ी के रहने वाले और जमशेदपुर से जुड़े उमेश विक्रम कुमार दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी बन गए हैं। बीडब्ल्यूएफ की जारी ताजा रैंकिंग में उन्हें पुरुष एकल वर्ग में विश्व नंबर 1 घोषित किया गया है। यह भारत और खासकर बिहार-झारखंड के लिए गर्व का बड़ा पल है।

पूरा साल रहा उमेश विक्रम के नाम

साल 2025 उमेश विक्रम के लिए शानदार रहा। उमेश विक्रम कुमार ने जनवरी में मिस्र की चैम्पियनशिप में उन्होंने एकल में स्वर्ण पदक और युगल में रजत पदक जीता। इसके बाद मार्च में स्पेन चैम्पियनशिप में रजत, मई में दुबई चैम्पियनशिप में एकल और युगल दोनों में रजत और जून में बहरीन चैम्पियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया।

महिला एशिया कप 2025

भारत और जापान के बीच मैच 2-2 से ड्रॉ

हांगझोउ, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने हॉकी एशिया कप में दमदार प्रदर्शन करते हुए जापान के खिलाफ मैच 2-2 से ड्रॉ करा लिया। भारत के लिए रुतुजा दादासो पिसल (30वें मिनट) और नवनीत कौर (60वें मिनट) ने गोल किए। जापान के लिए हिरोका मुरायामा (10वें मिनट) और चिको फुजीबयाशी (58वें मिनट) ने गोल किए। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अब तक अजेय है। थाईलैंड के खिलाफ पहला मैच टीम इंडिया ने 11-0 से जीता था। मैच में भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की थी, लेकिन जापान की रक्षात्मक पंक्ति ने शानदार तरीके से भारतीय आक्रमण को रोका। जापान के लिए हिरोका मुरायामा (10वें मिनट) ने पहला गोल किया। जापान ने 1-0 की बढ़त बना ली और पहले क्वार्टर में भारत पर बढ़त बनाए रखी। ब्रेक के बाद, भारतीय टीम ने बराबरी के लिए आक्रामक रुख अपनाया। पहले हाफ के आखिरी मिनटों में रुतुजा दादासो पिसल (30वें मिनट) ने गोल किया और मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। ब्रेक तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। दूसरे हाफ की शुरुआत में दोनों टीमें सतर्क रुख अपनाते हुए खेलीं ताकि कोई भी बढ़त न खो दे। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर जोरदार प्रहार किए लेकिन ब्रेक तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा। अंतिम क्वार्टर में, दोनों टीमों ने निर्णायक जीत की तलाश में आक्रमण को तेज किया। जापान का दबाव शुरुआत में ही रंग लाया और उन्होंने अंतिम हूटर से कुछ मिनट पहले गोल कर दिया। चिको फुजीबयाशी (58वें मिनट) को पेनल्टी स्ट्रोक मिला और उन्होंने गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। भारत के लिए नवनीत कौर पेनल्टी कॉर्नर पर (60वें मिनट) गोल दागा। इस गोल से भारतीय टीम ने 2-2 से बराबरी हासिल की और मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारत का अगला मुकाबला 8 सितंबर को भारतीय समयानुसार दोपहर 12:00 बजे सिंगापुर से होगा।

साथी खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत देख चेहरे पर मुस्कान आ गई : सूर्यकुमार यादव

दुबई, एजेंसी । एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम दुबई पहुंच चुकी है। बतौर कप्तान सूर्यकुमार यादव के लिए यह पहला बड़ा टूर्नामेंट है। इसलिए वे काफी उत्साहित हैं। भारतीय टीम एशिया कप के लिए दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में अभ्यास शुरु कर चुकी है। फील्ड पर खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करता देख भारतीय कप्तान बेहद खुश हैं। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि भारतीय टीम के शानदार खिलाड़ियों को अपने पहले अभ्यास सत्र में कड़ी मेहनत करते देखकर उनके चेहरे पर मुस्कान आ गई। बीसीसीआई टीवी पर शनिवार को पोस्ट किए गए एक वीडियो में सूर्यकुमार यादव ने कहा, अविश्वसनीय कौशल वाले इतने शानदार खिलाड़ियों को मैदान पर देखकर मेरे चेहरे पर हमेशा मुस्कान आ जाती है, वे अपना पूरा दमखम लगाते हैं और मुझे लगता है कि मैं उनसे यही चाहता हूं। उप कप्तान शुभमन गिल ने कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन ग्रुप है, और जिस तरह से हम टी20 में खेल रहे हैं, वो मनोरंजक और शानदार है। टी20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम को चैंपियन बनाने के बाद पहली बार इस फॉर्मेट में वापसी कर रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि वह इस टूर्नामेंट में खेलने को लेकर उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, मैं लंबे समय के बाद टी20 ग्रुप में शामिल हुआ हूं। टीम में युवा और ऊर्जावान खिलाड़ी हैं। टूर्नामेंट रोमांचक होने वाला है।

भारतीय टीम एशिया कप में ग्रुप ए में पाकिस्तान, यूएई और ओमान के साथ शामिल है। भारत अपने ग्रुप ए मैचों की शुरुआत 10 सितंबर को दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ करेगा, जिसके बाद 14 सितंबर को उसी मैदान पर पाकिस्तान से भिड़ेगा। इसके बाद 19 सितंबर को अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में ओमान से मुकाबला होगा। ग्रुप की दो शीर्ष टीमें सुपर 4 में जाएंगी। ग्रुप ए की दोनों शीर्ष टीमों के बीच 21 सितंबर को मैच खेला जाना है। संभवतः यह मैच भारत और पाकिस्तान के बीच होगा। इसके बाद दोनों टीमों का सामना फाइनल में हो सकता है। 9 सितंबर से शुरू हो रहे टूर्नामेंट का फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है।

एशिया कप हॉकी

भारत का जलवा, चीन पर 7-0 की धमाकेदार जीत से फ़ाइनल में प्रवेश

राजगीर, एजेंसी। भारत ने एशिया कप हॉकी 2025 के सुपर-4 चरण के अपने आख़िरी मैच में चीन को 7-0 से रौंदकर फ़ाइनल में धमाकेदार एंट्री कर ली है। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया का आत्मविश्वास चरम पर पहुँच गया है। फ़ाइनल में उसका मुकाबला मेज़बान दक्षिण कोरिया से होगा। पहले हाफ़ से ही भारतीय खिलाड़ियों ने मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली थी। शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह और मंदीप सिंह ने शानदार फील्ड गोल करते हुए भारत को 3-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ़ में भारत का आक्रामक अंदाज़ और तेज़ हुआ। राजकुमार पाल और सुखजीत सिंह ने गोल दागे, जबकि अभिषेक नैन ने दो गोल कर चीन को पूरी तरह बैकफ़ुट पर धकेल दिया। भारत अब चौथी बार एशिया कप जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगा। दिलचस्प बात यह है कि टीम दूसरी बार घरेलू धरती पर इस खिताब को जीतने की कोशिश करेगी।

संजू सैमसन के हाथ लगेगी निराशा...

जितेश शर्मा बने गौतम गंभीर की पहली पसंद, UAE के खिलाफ खेलना तय!

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 के लिए भारतीय टीम के खिलाड़ी दुबई पहुंच चुके हैं. टीम इंडिया अपना शुरुआती मुकाबला 10 सितंबर (बुधवार) को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी. इस मुकाबले से पहले सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारतीय खिलाड़ी आईसीसी एकेडमी ग्राउंड में जमकर अभ्यास कर रहे हैं. अब भारतीय टीम से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है. ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक यूएई के खिलाफ भारत के ओपनिंग मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर जितेश शर्मा खेलते नजर आ सकते हैं. उन्हें संजू सैमसन पर तव्वजो मिलने की संभावना है. शुभमन गिल के टी20 सेटअप में वापसी करने के बाद से ही सैमसन को लगातार सवाल उठ रहे हैं.

शुभमन गिल उप-कप्तान हैं और वो अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग करने वाले हैं. ऐसे में संजू सैमसन के लिए प्लेइंग-11 में जगह बनाना मुश्किल है. सैमसन हालिया समय में टी20 इंटरनेशनल में ओपनिंग करते आए हैं. गिल की टी20 टीम में वापसी के बाद सैमसन को मिडिल ऑर्डर में विकेटकीपर बल्लेबाज की जगह के लिए जितेश शर्मा से टक्कर लेनी पड़ रही है.

आईपीएल 2025 में छा गए थे जितेश शर्मा

ऐसा लगता है कि जितेश शर्मा टीम मैनेजमेंट की पहली पसंद बनकर उभरे हैं. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में जितेश ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए फिनिशर की भूमिका निभाई थी. उन्होंने 11 पारियों में 37.28 की औसत और 176.35 के स्ट्राइक रेट से 261 रन बनाए थे. लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ तो जितेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 85 रन कूटे, जिसके चलते आरसीबी ने 228 रनों का लक्ष्य हासिल किया था.

जितेश शर्मा ने भारत के लिए अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला जनवरी 2024 में अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था. जितेश ने अब तक 7 टी20 मैचों में 100 रन बनाए हैं. उधर संजू सैमसन केरल क्रिकेट लीग 2025 में शानदार फॉर्म में रहे. उन्होंने 5 पारियों में 73.60 की औसत से 368 रन बनाए. हालांकि सैसमन ने 5 में से चार पारियों में ओपनिं की. एक इनिंग्स में जब वो नंबर-6 पर उतरे तो 22 बॉल पर 13 रन बना सके।

यूएस ओपनः

ग्रैंडस्लैम में 100वीं जीत के साथ सबालेंका ने बरकरार रखा यूएस ओपन का खिताब, हासिल की उपलब्धियां

न्यूयॉर्क, एजेंसी। सबालेंका ने इस खिताबी के साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। वह ओपन एरा की तीसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने पहले चार ग्रैंडस्लैम हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमांडा एनिसोवा को हराकर वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन में खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। सबालेंका ने महिला एकल के फाइनल में एनिसोवा को एक घंटे 34 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में 6-3, 7-6(3) से हराया। सबालेंका का यह चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब है।

नंबर एक का ताज बरकरार – सबालेंका ने फाइनल में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 13 विनर्स लगाए और 15 बेजां भूलें की। दूसरी ओर, एनिसोवा ने 29 बेजां भूलें की और सात डबल फॉल्ट किए। पहले सेट में कड़े संघर्ष के बाद सबालेंका ने अपने अनुभव का भरपूर इस्तेमाल किया। दूसरे सेट में भी सलाबेंका अमेरिकी युवा अनिसिमोवा से बीस साबित हुई और उन्होंने लगातार सेटों में जीत दर्ज की। सबालेंका ने इस दौरान चार बार सर्विस गंवाई, हालांकि खिताबी जीत के साथ उन्होंने नंबर एक का ताज भी बरकरार रखा है, जबकि हार के बावजूद एनिसोवा चौथे स्थान पर पहुंच जाएंगी।

शुरुआती चार ग्रैंडस्लैम हार्ड कोर्ट पर जीते – सबालेंका ने इस खिताबी के साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। वह ओपन एरा की तीसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने पहले चार ग्रैंडस्लैम हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। इस मामले में उन्होंने नाओमी ओसाका और किम क्लीस्टर की बराबरी कर ली है। ओसाका ने अपने करियर में यूएस ओपन (2018 और 2020) तथा ऑस्ट्रेलियान ओपन (2019, 2021) जीते हैं। क्लीस्टर ने 2005, 2009 और 2010 में यूएस ओपन तथा 2011 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था।

सेरेना विलियम्स की बराबरी पर पहुंचीं – सबालेंका ओपन एरा की दूसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने फाइनल में अपने ग्रैंडस्लैम करियर का 100वां मुकाबला जीता है। इससे पहले यह उपलब्धि इगा स्वियातेक ने विंबलडन के दौरान हासिल की थी। दोनों खिलाड़ियों ने फाइनल में एनिसोवा को हराकर ग्रैंडस्लैम करियर का 100वां मैच जीता। वहीं, 2012-2014 में सेरेना विलियम्स के बाद यूएस ओपन के महिला एकल वर्ग में लगातार दो खिताब जीतने वाली सबालेंका पहली खिलाड़ी हैं। सबालेंका से पहले ओपन एरा में चुनिंदा खिलाड़ियों ने ही यह उपलब्धि हासिल की है। इस सूची में सेरेना विलियम्स (2012-2014), किम क्लीस्टर (2009-2010), वीनस विलियम्स (2000-2001), मोनिका सेलेस (1991-1992), स्टेफी ग्राफ (1988-1989, 1995-1996), मार्टिना नावरातोलोवा (1983-1984, 1986-1987) और क्रिस एवर्ट (1975-1978) शामिल हैं।

पहले दौर से बाहर होने के बाद मुक्केबाज लवलीना ने ट्रेनिंग पर जताई निराशा, खड़े किए सवाल

लिवरपूल, एजेंसी। लवलीना ने पेरिस ओलंपिक और उसके बाद के मुकाबलों के लिए तैयारी के दौरान कम अनुभव मिलने पर अफसोस जताया और टोक्यो खेलों से पहले मिली सहयोग प्रणाली से तुलना की। भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन का प्रदर्शन विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अच्छा नहीं रहा था और उन्हें पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद लवलीना ने ट्रेनिंग पर निराशा जताई और सवाल खड़े किए। लवलीना ने ट्रेनिंग के कम अवसर मिलने पर सवाल खड़े किए और कहा कि उन्हें हमेशा वह ट्रेनिंग नहीं मिलती जो उन्हें चाहिए होती है।

लय में नहीं दिखीं लवलीना

एक साल से अधिक समय बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी करने वाली टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना शनिवार को 75 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में तुर्किये की बुसरा इस्लिदार के खिलाफ 0-5 की हार के दौरान लय में नहीं दिखी। इस 27 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने पेरिस ओलंपिक और उसके बाद के मुकाबलों के लिए तैयारी के दौरान कम अनुभव मिलने पर अफसोस जताया और टोक्यो खेलों से पहले मिली सहयोग प्रणाली से तुलना की।

लवलीना ने एक्स पर लिखा, एक साल बाद मैंने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मैं अपने पहले ही मुकाबले में हार गई, इससे पीड़ा पहुंचती है। मुझे खेद है कि मैं इस बार ऐसा नहीं कर पाई। लेकिन सभी जानते हैं कि मैं कभी भी किसी और चीज के लिए नहीं लड़ती, सिर्फ अपनी ट्रेनिंग के लिए। मैं कभी विलासिता की चीजें नहीं मांगती। मैं सिर्फ अच्छी ट्रेनिंग मांगती हूं।

लवलीना बोलीं- बार-बार खुद को साबित करना पड़ता है

उन्होंने कहा, टोक्यो ओलंपिक से पहले हमारे पास अच्छे अंतरराष्ट्रीय शिविर थे। मैं ट्रेनिंग के लिए अंतरराष्ट्रीय स्परिंग जोड़ीदार के लिए अनुरोध करती थी लेकिन पेरिस ओलंपिक से पहले मुझे बहुत कम प्रतियोगिताएं और बहुत कम अंतरराष्ट्रीय शिविर का मौका मिला। अच्छे जोड़ीदार के बिना मैं खुद को कैसे बेहतर बना सकती हूं? पेरिस ओलंपिक में भी मैं अकेली थी। मुझे खुद को बार-बार साबित करना पड़ता है। और सभी जानते हैं कि खेल में मानसिक शक्ति उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी शारीरिक शक्ति। फिर भी अपने देश के लिए सब कुछ देने के बाद भी मुझे हमेशा वह ट्रेनिंग या कोच नहीं मिलता जो मुझे सच में चाहिए। मैं हर लड़ाई में अकेले ही मुश्किलों का सामना करती हूं। मुझे बताओ क्या यह सही है कि मैं हमेशा अपना सिर झुकाए रखूं, सब कुछ होने के बावजूद चुपचाप ट्रेनिंग करती रहूं? लवलीना ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह मौजूदा कोच की आलोचना नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं मौजूदा कोच और टीम के सदस्यों को दोष नहीं दे रही। उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है और मेरी मदद करने की कोशिश की है। लेकिन हां, कुछ नया सीखने में हमेशा थोड़ा और समय लगता है।

न्यूज डायरी

विशेष उपलब्धियां प्राप्त करने वाली महिलाओं को दिए जाएंगे राज्य स्तरीय पुरस्कार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धियां प्राप्त करने वाली महिलाओं के राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, आवेदन करने की अंतिम तिथि 26 दिसंबर है। इच्छुक महिलाएं महिला एवं बाल विकास कार्यालय में 26 दिसंबर तक अपने आवेदन जमा करवा सकती हैं। यह पुरस्कार 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस प्रदान किए जाएंगे।

एक सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार के लिए एक लाख 50 हजार रुपए व प्रशस्ति पत्र, कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार के लिए एक लाख रुपए व प्रशस्ति पत्र, बहन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार के लिए एक लाख रुपए व प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए 51 हजार व प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को विभिन्न आठ श्रेणियां में 21- 21 हजार रुपए व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

इस संबंध में अन्य किसी जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस को महिला एवं बाल विकास कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। आवेदन से संबंधित अधिक जानकारी के लिए डब्लूसीडीएचआरवाई डॉट जीओवी डॉट इन वेबसाइट पर विजिट करें।

इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2025 : युवाओं को मिलेगा वैश्विक मंच पर प्रतिभा दिखाने का अवसर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। युवाओं की प्रतिभा और कौशल को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2025 के लिए पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अंतर्गत यह प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इच्छुक प्रतिभागी केवल SIDH पोर्टल (www.skillindiadigital.gov.in) पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। किसी अन्य माध्यम से किया गया पंजीकरण मान्य नहीं होगा।

चयनित प्रतिभागियों को विश्व कौशल एशिया प्रतियोगिता (नवंबर 2025, ताइपेई) और विश्व कौशल अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता (सितंबर 2026, शंघाई) में देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। जिला/राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं अक्टूबर 2025 में, रीजनल दिसंबर 2025 में और नेशनल प्रतियोगिता फरवरी 2026 में होगी। चयनित युवाओं को अगस्त 2026 तक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, पंजीकरण की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2025 तय की गई है। इसके उपरांत अक्टूबर 2025 में जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी, जबकि रीजनल प्रतियोगिताएं दिसंबर 2025 में होंगी। नेशनल प्रतियोगिता (इंडिया स्किल्स) फरवरी 2026 में प्रस्तावित है। चयनित प्रतिभागियों को अगस्त 2026 तक घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके बाद वे वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता 2026 में हिस्सा लेंगे, जो 22 से 27 सितंबर तक शंघाई (चीन) में आयोजित होगी।

जागृति रामलीला कमेटी, सेक्टर 23 में किया गया भूमि पूजन और ध्वजारोहण

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। जागृति रामलीला कमेटी, सेक्टर 23 की ओर से आज कमेटी के प्रधान अजय जोशी ने श्रीराम लीला स्थल पर भूमि पूजन और ध्वजारोहण किया। उन्होंने बताया कि उनकी कमेटी पिछले 62 वर्षों से हर साल रामलीला का मंचन अनवरत और भव्य आयोजन करती आ रही है और इस बार श्री रामलीला का मंचन और ज्यादा भव्य तरीके से किया जाएगा। इसके लिए कलाकारों ने रिहर्सल शुरू कर दी है। जोशी ने बताया कि इस बार रामलीला का आयोजन 22 सितंबर से लेकर 03 अक्टूबर तक किया जाएगा।

इस अवसर पर कमेटी के मुख्य संरक्षक राकेश वत्स, अध्यक्ष संदीप अरोड़ा, उपाध्यक्ष अशोक बुद्धिराजा, महासचिव मोहित शर्मा, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार, निर्देशक आशुतोष के अतिरिक्त अन्य सदस्य सुरेंद्र सिंह, राम सिंह सुनील कुमार, प्रभु राम का किरदार निभाने वाले हिमांशु, माता सीता का किरदार निभा रही सोनिका भाटिया, लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हितेश और सूर्पनखा बनी मीनाक्षी भी उपस्थित रही।

एमसीएम में 40 वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अंतर्गत ऑनलाइन जागरूकता सत्र का आयोजन

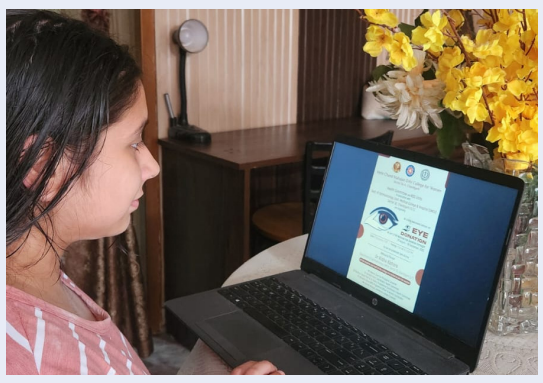

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 40 वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े (25 अगस्त – 8 सितंबर, 2025) के उपलक्ष्य में, मेहर चंद महाजन डी.ए.वी. महिला महाविद्यालय की स्वास्थ्य समिति और एन.एस.एस. समिति ने नेत्रदान के महत्व पर एक ऑनलाइन जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं और व्यापक समुदाय को संवेदनशील बनाना तथा उन्हें नेत्रदान जैसे पुण्य कार्य के माध्यम से दृष्टि पुनर्स्थापित करने के लिए प्रेरित करना था।

इस सत्र में नेत्रचिकित्सा विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, सेक्टर 32, चंडीगढ़ से डॉ. अलीशा किशोर बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुईं। अपने सारगर्भित संबोधन में डॉ. किशोर ने नेत्रदान की गंभीर आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए इसकी प्रक्रिया का विस्तारपूर्वक वर्णन किया तथा इससे जुड़े प्रचलित मिथकों को दूर किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी आयु का व्यक्ति अपनी आँखें दान कर सकता है। साथ ही उन्होंने इस जीवनदायिनी अभियान को बढ़ावा देने में समुदाय एवं धार्मिक नेताओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। प्रतिभागियों को नेत्र बैंक की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई और प्रतिज्ञा एवं दान की प्रक्रिया हेतु संपर्क विवरण भी उपलब्ध कराए गए। इस कार्यक्रम में 102 छात्राओं और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि मानवीय मूल्यों पर आधारित ऐसे जागरूकता कार्यक्रम न केवल छात्राओं को ज्ञानवर्धित करते हैं, बल्कि उन्हें समाज में परिवर्तन के वाहक बनने के लिए भी सशक्त बनाते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को नेत्रदान का संदेश फैलाने और इस प्रकार एक उज्जवल एवं करुणामय विश्व के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

एनआईटीटीआर चंडीगढ़ ने 58वां वार्षिक समारोह मनाया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), चंडीगढ़ (सम विश्विद्यालय , विशिष्ट श्रेणी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) का 58वाँ वार्षिक दिवस समारोह 7 सितंबर, 2025 को आयोजित किया गया। समारोह की शुरुआत उत्तर भारत के राज्यों में बाढ़ से उत्पन्न भयावह स्थिति पर शोक एवं चिंता व्यक्त करने तथा प्रभावित नागरिकों के प्रति संस्थान द्वारा सहनुभूति प्रकट करने हेतु दो मिनट का मौन धारण किया गया।

वार्षिक दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश के निदेशक प्रो. हीरालाल मुरलीधर सूर्यवंशी जी की उपस्थिति ने शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए, प्रो. सूर्यवंशी ने अंत:विषयक गतिविधियों के माध्यम से छात्रों और शिक्षार्थियों के समग्र विकास के महत्व पर बल दिया। उन्होंने छात्रों एवं शिक्षार्थियों को अपने सुविधा क्षेत्र से बाहर निकल कर शैक्षणिक यात्रा के विभिन्न शैक्षिक एवं पाठ्येतर अनुभवों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मुख्य प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करके तकनीकी शिक्षा में निरंतर सुधार व अनुसंधान को आगे बढ़ाने और उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए एनआईटीटीआर, चंडीगढ़ को बधाई दी।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, हरियाणा सरकार के मुख्य अभियंता डॉ. सतबीर सिंह कादियान, समारोह के सम्मानित अतिथि थे। उन्होंने राष्ट्र द्वारा अभिज्ञात एक बड़ी आबादी को रोज़गार प्रदान करने की जनसांख्यिकीय चुनौती पर प्रकाश डाला और तकनीकी संस्थानों से शिक्षार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करके इसका समाधान प्रस्तुत करने का आह्वान किया। उन्होंने

संस्थानों से आज राष्ट्र के सामने मौजूद बाढ़ जैसी विकट समस्याओं से उबरने के लिए नवीन समाधानों को प्रस्तुत करने का भी आग्रह किया। समारोह के दौरान संस्थान के मेधावी स्नातकोत्तर छात्रों और राष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट पॉलिटेक्निक एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालयों को उनके अनुकरणीय समर्पण, दृढ़ता और उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया। संस्थान के कर्मचारियों को भी उनके विशेष योगदान, प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया।

एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. (डॉ.) भोला राम गुर्जर द्वारा संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसमें संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया, जो तकनीकी शिक्षकों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा तकनीकी कर्मचारियों के कौशल विकास में उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संस्थान द्वारा कार्यरत पेशेवरों हेतु अपने आगामी बी.टेक. कार्यक्रम की भी घोषणा की गई।

संस्थान के वार्षिक दिवस समारोह के अवसर पर, 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अंतर्गत पॉलिटेक्निक शिक्षा में अवसर और चुनौतियाँ' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का भी उद्घाटन किया गया। इस सम्मेलन में देश भर के 60 पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के प्रशासक, प्राचार्य एवं संकाय सदस्य भाग लेंगे व एनईपी 2020 के आलोक में पॉलिटेक्निक शिक्षा प्रणाली को नया रूप देने पर विचार-विमर्श करेंगे।

अंबाला छावनी के इंडस्ट्री एरिया से जल्द से जल्द पानी निकालना उनकी प्राथमिकता - अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी के इंडस्ट्री एरिया से जल्द से जल्द पानी निकालना उनकी प्राथमिकता है। इस स्थिति पर मंत्री ने संज्ञान लेते हुए सबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अंबाला छावनी के इंडस्ट्री एरिया में तुरंत पम्प लगाकर व अन्य प्रबंध करके पानी की निकासी सुनिश्चित की जाए।

श्री विज ने आज अम्बाला छावनी इंडस्ट्री एरिया में आए बाढ़ के पानी की निकासी के लिए सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल व अम्बाला के डीसी अजय तोमर को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इससे पहले आज अंबाला इंडस्ट्री एरिया के कई उद्यमियों ने इंडस्ट्री एरिया में आए अत्याधिक पानी निकासी के लिए मंत्री अनिल विज के आवास पर पहुंच उनसे गुहार लगाई थी।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि "अम्बाला छावनी की इंडस्ट्री एरिया के कारोबारियों पर सारे शहर का दारोमदार है, इंडस्ट्री के उद्यमियों ने तिनका-तिनका जोड़कर अपने उद्योग खड़े है और मैं बचपन से इन्हें देखते आ रहा हूं, अत्याधिक पानी आने से उद्योग प्रभावित हो रहे हैं और तुरंत यहां से पानी निकासी के प्रबंध तुरंत किए जाएं।" श्री विज ने कहा कि इंडस्ट्री एरिया में तुरंत पम्प लगाकर व अन्य प्रबंध कर पानी की निकासी सुनिश्चित करें। उन्होंने मौके पर ही अम्बाला छावनी एसडीएम विनेश कुमार को बुलाकर कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री अनिल विज ने नगर परिषद के ईओ को निर्देश दिए कि पानी निकासी के लिए जहां से भी पम्प लेने पड़े वह लिए जाए तथा इंडस्ट्री एरिया में पंप लगाकर पानी निकासी की जाए।

भाविप की साउथ 6 शाखाओं ने दायित्व ग्रहण एवं परिवार मिलन समारोह मनाया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत विकास परिषद (भाविप), चण्डीगढ़ की दक्षिण की 6 शाखाओं द्वारा दायित्व ग्रहण एवं परिवार मिलन समारोह संयुक्त रूप से सामुदायिक केंद्र सेक्टर 49 में मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि राजिंदर शर्मा, पार्षद, अजय दत्ता निदेशक भाविप ट्रस्ट, पीके शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, प्रमुख विशिष्ठ अतिथि जसमनप्रीत सिंह, पार्षद, भारत विकास परिषद, चण्डीगढ़ प्रान्त के अध्यक्ष एमके विरमानी, उप अध्यक्ष एवं भूपिन्दर कुमार, पीके शर्मा पूर्व अध्यक्ष, मीना राणा, सुशील शर्मा कोऑर्डिनेटर, सन्दीप खन्ना को-कोऑर्डिनेटर, गिरवर शर्मा सामाजिक कार्यकर्ता सहित दक्षिण शाखा के सभी कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। तत्पश्चात् प्रांत के पूर्व अध्यक्ष पीके शर्मा ने दक्षिण क्षेत्र की सभी 6 शाखाओं के पदाधिकारियों को दायित्व ग्रहण तथा सभी शाखाओं के लगभग 90 नए सदस्यों को सदस्यता की शपथ भी दिलाई गई। डॉ एम के विरमानी ने भारत विकास परिषद के मिशन, गतिविधियों तथा कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में सभी शाखाओं के सदस्यों एवं बच्चों ने गीत नृत्य, डांस, भजनों द्वारा प्रस्तुति दी।

संस्कार और संस्कृति से जुड़े रहकर ही नई पीढ़ी भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकेगी : हरविंद्र कल्याण

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में प्रत्येक नागरिक का योगदान आवश्यक है। जहां एक ओर विकास कार्यों की जरूरत है, वहीं आने वाली पीढ़ी को अच्छे संस्कारों से जोडऩा भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

भारत विकास परिषद द्वारा 63वें स्थापना दिवस पर सोनीपत में शिवा शिक्षा सदन स्कूल में गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने द्वीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की।

उन्होंने भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित करवाई गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों व विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों को सम्मानित करते हुए कहा कि जब किसी व्यक्ति को सम्मानित किया जाता है तो उसका उत्साह बढ़ता है और वह समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बनता है। उन्होंने कहा कि यदि हमारी युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति और संस्कारों से जुड़ी रहे तथा आधुनिक तकनीक का समुचित उपयोग करते हुए आगे बढ़े, तो वे हर चुनौती का

सामना करने में सक्षम बनेंगे।

उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में सेवा भाव, संयम और परिश्रम करने का जज्बा होना भी आवश्यक है। समाज को समय-समय पर प्राकृतिक आपदाओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता करना केवल सरकार की नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की जिम्मेदारी है। यह तभी संभव है जब हमारे भीतर सेवा भाव जागृत हो और हम अपनी महान संस्कृति से जुड़े रहें। उन्होंने कहा कि बच्चे सेवाभाव व संयम के साथ परिश्रम करते हुए आगे बढ़ेंगे तो उनको अपने जीवन में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

दशलक्षण विधान पूर्ण श्रद्धा एवं भक्ति भाव से संपन्न

जैन धर्म में उत्तम ब्रह्मचर्य आत्मा की शुद्धि का सर्वोत्तम साधन माना गया है : लब्धि दीदी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। श्री दिगम्बर जैन मंदिर, सेक्टर 27-बी में दशलक्षण महापर्व के 10वें दिन उत्तम ब्रह्मचर्य दिवस एवं अनंत चतुर्दशी महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। प्रातःकालीन कार्यक्रम में मूलनायक भगवान महावीर स्वामी का प्रथम अभिषेक व शांति धारा निर्मल जैन परिवार, खेकरि (राजस्थान) द्वारा संपन्न हुआ। द्वितीय अभिषेक व शांतिधारा का लाभ डॉ. संयोग जैन को प्राप्त हुआ। पाण्डुक शिला पर शांतिनाथ भगवान का अभिषेक व शांतिधारा भारत भूषण जैन, अंशुल जैन परिवार द्वितीय शांतिधारा व्रती श्रद्धालुओं द्वारा की गयी। आज के सौधर्मेन्द्र रजनीश जैन, यज्ञनायक अशोक जैन, कुबेर इन्द्र का लाभ शरद जैन ने उठाया। आज वासुपूज्य भगवान् का मोक्ष कल्याणक दिवस बारे हर्षोउल्लास से मनाया गया, इस अवसर पर निर्वाण लाडू करुण जैन, सौम्या जैन परिवार द्वारा अर्पित किया गया। 51 लोगों द्वारा भी लड्डू अर्पित किए गए। दशलक्षण विधान पूर्ण श्रद्धा एवं

भक्ति भाव से संपन्न हुआ।

लब्धि दीदी ने उत्तम ब्रह्मचर्य का महत्व बताते हुए कहा कि जैन धर्म में उत्तम ब्रह्मचर्य आत्मा की शुद्धि का सर्वोत्तम साधन माना गया है। यह इंद्रिय संयम, मन, वचन और शरीर की पवित्रता का प्रतीक है। ब्रह्मचर्य का पालन करने से व्यक्ति विषय-वासना और मोह-माया से दूर होकर आत्मकल्याण की ओर अग्रसर होता है। यह धर्म साधना का आधार स्तंभ है तथा मोक्ष मार्ग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सायंकाल 4 बजे अनंत चतुर्दशी महोत्सव मनाया गया। भगवान की भव्य प्रतिमा शोभायात्रा पालकी में निकाली गई। पालकी में भगवान् को नितिन जैन सौधर्मेन्द्र, अनिल कुमार कुबेर, अंशुल जैन दिल्ली- सनत कुमार ,अमित जैन, दामोदर जैन - ईशान इन्द्र के कन्धों पर विराजमान करके तीन बार बाजे-गाजे के साथ मंदिर परिक्रमा की गयी।

समस्त धार्मिक प्रक्रियाओं के बाद भगवान की प्रतिमा को पुनः गुप्ति सागर हॉल में विराजमान किया गया। इस पावन अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पुण्य लाभ अर्जित किया।

आज के अवसर पर सम्पूर्ण कार्यकारिणी उपस्थित रही। कार्यकारिणी अध्यक्ष धरम बहादुर जैन ने समस्त जैन समाज का अभिवादन करते हुए श्रद्धालुओं से दशलक्षण धर्म का अपने जीवन में समावेश करने का आवाहन किया।

चण्डीगढ़ योगासन एसोसिएशन ने वरिष्ठ योगासन खिलाडियों को किया सम्मानित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चण्डीगढ़ योगासन एसोसिएशन ने राजकीय योग एवं स्वस्थ्य शिक्षा महाविद्यालय, सैक्टर-23 में चंडीगढ़ के वरिष्ठ योगासन खिलाडियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर भिलाई (दुर्ग, छत्तीसगढ़) में होने जा रही छठी राष्ट्रीय योगासन खेल प्रतियोगिता 2025-26 में चंडीगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ एवं वरिष्ठ-ए वर्ग के योगासन खिलाड़ी भी एकत्रित हुए थे। इस राष्ट्रीय स्तर की योगासन प्रतियोगिता का आयोजन योगासन भारत महासंघ के तत्वावधान में होने जा रहा है। चंडीगढ़ योगासन दल के वरिष्ठ महिला खिलाडियों में कामिनी, सिमरन, तमना, सिमरन, तृषा, रितिका तथा पुरुषों में अभय, देव, दलीप, लालजीत, ईश्वर, राम कुमार और कृष्णा शामिल हैं। जबकि वरिष्ठ -ए योगासन दल की महिला खिलाडियों में प्रिय जैस्वाल, ज्योति, खुशबू, अर्चना एवं पुरुष वर्ग में रोहित, राहुल, सचिन पांडेय और सचिन शामिल हैं। इस योगासन दल के प्रबंधक अजय कुमार हैं जबकि महिला कोच प्रोमिला तथा पुरुष कोच प्रभाकर हैं। इस अवसर पर संस्था के सचिव रोशन लाल, संयुक्त सचिव जितेंद्र सिंह एवं कोषाध्यक्ष सुधा उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंबाला जिले के नग्गल क्षेत्र में जलभराव का किया निरीक्षण, प्रभावित किसानों से की बातचीत

- ई-क्षति पोर्टल पर किसान कर सकते हैं अपने नुकसान का पंजीकरण
- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तुरंत जल निकासी के दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज अंबाला जिले के नग्गल गांव के निकट जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ से कैथल जाते हुए नग्गल/हसनपुर के पास जलभराव की स्थिति का जायजा लिया और प्रभावित किसानों से बातचीत की।

मुख्यमंत्री के साथ इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री श्री असीम गोयल नन्यौला, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री मनदीप राणा, उपायुक्त श्री अजय सिंह तोमर तथा पुलिस अधीक्षक श्री अजीत सिंह शेखावत भी मौजूद रहे।

पूर्व राज्यमंत्री श्री असीम गोयल ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि टांगरी नदी और बरसाती पानी के नग्गल नाले (गंदा नाला) में प्रवेश करने से जलस्तर काफी बढ़ गया है, जिसके कारण लगभग 40 गांव जलभराव की स्थिति से प्रभावित हैं। उपायुक्त ने जानकारी दी कि अंबाला शहर तहसील के अंतर्गत लगभग 28 हजार एकड़ भूमि जलभराव से प्रभावित हुई है।

पूर्व राज्यमंत्री ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि यदि यहां पर साईफन का निर्माण हो जाए तो इस क्षेत्र में जलभराव की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने

उपायुक्त को निर्देश दिए कि इस कार्य हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए और यदि संभव हो तो ड्रेन निर्माण की रूपरेखा भी बनाई जाए, ताकि जल निकासी का स्थायी समाधान हो सके और भविष्य में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो।

मुख्यमंत्री ने भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी श्री जय सिंह जलबेड़ा सहित प्रभावित किसानों से मुलाकात की और उनकी फसलों एवं हुए अन्य नुकसान के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधोमाजरा बांध पर गंदे नाले के नजदीक मोटरों को चलाने के निर्देश दिए ताकि बरसाती पानी की निकासी तेज़ी से हो सके।

इस अवसर पर सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि भूमि की ग्रेविटी के कारण बरसाती पानी की निकासी हो रही है। इसके साथ ही अतिरिक्त निकासी के लिए मोटरें भी लगाई जा रही हैं, जिससे पानी की निकासी तेज़ी से हो सके। उन्होंने बताया कि जैसे ही टांगरी नदी का जलस्तर कम होगा, सिंचाई विभाग के पंपों और गेटों को ऊपर उठाकर नग्गल/गंदे नाले का पानी बाहर निकाला जाएगा।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री जनसूई हैड के नजदीक सेगती गांव के पास जलभराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए रुके और प्रभावित किसानों व ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा नुकसान की भरपाई के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला गया है, जहां किसान अपने नुकसान का पंजीकरण करा सकते हैं। नियमानुसार उचित मुआवजा प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।